डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026
RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक सद्भावना पाती

प्राणियों में सद्भावना हो

डॉ. देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

14 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार 05 जुलाई, 2026 वर्ष:: 14 अंक :: 68 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या राम मंदिर की रेकी करने वाला आतंकी घोषित

- आरोपी पाकिस्तान का नागरिक, हाफिज का रिश्तेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शनिवार को 23 लोगों को आतंकी घोषित किया है। इनमें एक आतंकी वो भी है जिसने अयोध्या में राम मंदिर और नागपुर में संघ भवन की रेकी की थी। हालांकि ये रेकी कब की गई थी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस आतंकी की पहचान मोहम्मद मुसादिक के रूप में हुई है। यह हाफिज सईद का रिश्तेदार है। सरकार का कहना है कि लिस्ट में शामिल सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, द रेजिस्टेंस फ्रंट और जमात-उद-दावा जैसे

प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। सरकार के मुताबिक ये लोग आतंकियों की भर्ती, भारत में घुसपैठ, आतंकी हमलों की साजिश, आतंक के लिए पैसे जुटाने, हथियार पहुंचाने और अन्य मदद करने में शामिल रहे हैं। घोषित 23 आतंकियों में 6 जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी हैं, जबकि 17 पाकिस्तान के रहने वाले हैं। इनमें 7 पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) और 10 पाकिस्तान में रह रहे हैं। इन 23 नामों के जुड़ने के बाद सरकार की तरफ से घोषित आतंकियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। सरकार ने जिन जैश आतंकियों को लिस्ट में शामिल किया है। उनमें कुछ 2016 के नगरोटा आर्मी कैंप हमले और 2022 के सुनजवां हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं। 29 नवंबर 2016 को आर्मी कैंप पर सेना की वर्दी पहनकर आए थे।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने रोड शो में लहराई तलवार

मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हुईं

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को लखनऊ में रोड शो किया। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक 18 किलोमीटर लंबा यह रोड शो सुबह 11.20 बजे शुरू हुआ और दोपहर 1.55 बजे समाप्त हुआ। एयरपोर्ट से निकलने के बाद वह प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ विशेष रथ पर सवार होकर रोड शो के लिए रवाना हुए। पूरे मार्ग में जगह-जगह

कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और जमकर नारेबाजी की। रोड शो के दौरान नितिन नवीन ने समर्थकों का अभिवादन करते हुए तलवार भी लहराई। बड़ी संख्या में बुर्का पहने मुस्लिम महिलाएं और टोपी पहने मुस्लिम पुरुष भी रोड शो में शामिल हुए। वहीं, पादरियों और ननों ने भी उनका स्वागत किया। भाजपा ओबीसी मोर्चा ने उन्हें क्रेन की मदद से 25 फीट की विशालकाय माला पहनाई। एयर पोर्ट पर सीएम योगी ने वेलकम किया।

मानसून सत्र में 'यूसीसी' आना मुश्किल

सरकार ने 26 जुलाई तक बढ़ाया यूसीसी कमेटी का कार्यकाल, 24 को खत्म हो जाएगा विधानसभा सत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून अब विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में पेश होना मुश्किल दिखाई दे रहा है। सरकार ने यूसीसी का मसौदा तैयार कर रही उच्च स्तरीय समिति का कार्यकाल 26 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया है, जबकि विधानसभा का मानसून सत्र 24 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। ऐसे में इस सत्र में विधेयक पेश होने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने 30 जून को जारी अधिसूचना में समिति के सदस्य सचिव के अनुरोध और ड्राफ्ट तैयार करने की प्रगति को देखते हुए कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया। समिति के गठन से जुड़े अन्य सभी प्रावधान यथावत रहेंगे।

गुजरात मॉडल पर तैयार हो रहा ड्राफ्ट- सूत्रों के अनुसार, अब तक तैयार ड्राफ्ट का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा गुजरात यूसीसी के प्रावधानों पर आधारित है। इसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, वसीयत, भरण-पोषण, बच्चों की अभिरक्षा और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे पारिवारिक मामलों के लिए सभी समुदायों पर समान कानूनी व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है।

सीएम के बयान से बने हुए हैं कयास- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले कह चुके हैं कि जुलाई में होने वाले मानसून सत्र के दौरान यूसीसी कानून का रूप ले सकता है। 2 जुलाई को मुख्यमंत्री के समक्ष यूसीसी ड्राफ्ट का प्रेजेंटेशन भी हो चुका है। ऐसे में अधिकारियों का कहना है कि समिति का कार्यकाल बढ़ने के बावजूद सरकार ड्राफ्ट को अंतिम रूप देकर विधेयक लाने का प्रयास कर सकती है। उत्तराखंड और गुजरात की राह पर चलते हुए अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। राज्य के विधि विभाग ने इसके लिए विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश जारी कर दिया है।

एमपी के 'महिला पर्यटन मॉडल' पर फिदा हुई केंद्र सरकार

- नीति आयोग के असेसमेंट में हुआ बड़ा खुलासा- भोपाल में एमपी टूरिज्म बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, नीति आयोग ने इस प्रोजेक्ट का एक विस्तृत मूल्यांकन किया था। असेसमेंट में पाया गया कि सेफ टूरिस्ट डेस्टीनेशन फॉर विमेन पहल ने न केवल सैलानियों की सुरक्षा बढ़ाई, बल्कि महिलाओं को आतिथ्य, डिजिटल स्किल और एंटरप्रेन्योरशिप में ट्रेन कर आत्मनिर्भर बनाया। टूरिज्म सखियों ने पर्यटन स्थलों पर चाइल्ड केयर सपोर्ट और सुरक्षित सुविधाएं भी शुरू की हैं, जिससे महिला पर्यटकों का स्टे बढ़ा है।

भोपाल। मध्य प्रदेश के आदिवासी और ग्रामीण अंचलों से निकली टूरिज्म सखियों की सफलता ने दिल्ली के प्रशासनिक गलियारों तक बड़ी हलचल मचा दी है। नीति आयोग ने सूबे के ग्राउंड-ब्रेकिंग महिला सुरक्षित पर्यटन मॉडल को पूरे देश में रोलआउट करने की हरी झंडी दे दी है। यूएन विमेन इंडिया के तकनीकी सहयोग से तैयार इस जमीनी मॉडल की सफलता को देखते हुए केंद्र सरकार अब इसे निर्भया फंड (60-40 अनुपात) के तहत देश के अन्य राज्यों में भी लागू कराने जा रही है।

घाटों और जंगलों में पुरुषों का एकाधिकार खत्म- प्रशासनिक और ग्राउंड लेवल पर इस योजना का सबसे बड़ा असर मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों पर दिख रहा है। महेश्वर और भेड़ाघाट जैसे प्रमुख नर्मदा घाटों पर, जहां कभी केवल पुरुषों का वर्चस्व था, वहां अब प्रशिक्षित महिलाएं पर्यटकों के लिए नावें दौड़ा रही हैं। इसी तरह, शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क में 200 से अधिक प्रशिक्षित महिला फॉरेस्ट गाइड तैनात हैं। पर्यटकों को बेहतर अनुभव देने और प्रशासनिक पहचान मिलने के बाद इनकी प्रति सफारी कमाई 360 रुपये से बढ़कर सीधे 800 रुपये हो चुकी है। झाबुआ, धार, बड़वानी और जबलपुर जैसे आदिवासी व ग्रामीण जिलों में यह कम्युनिटी-बेस्ड टूरिज्म मॉडल गेमचेंजर साबित हुआ है।

उत्तराखंड और महाराष्ट्र समेत 5 राज्य करेंगे नकल- यूएन विमेन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव शोको इशिकावा ने भी भोपाल दौरे पर स्थानीय महिलाओं के इस नेतृत्व की तारीफ की थी।

भारी बारिश

महाराष्ट्र-गुजरात पानी-पानी

- महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट पानी भरा, दुकानें बंद
- गुजरात में भीषण बाढ़, उन्नीस लोगों का रेस्क्यू किया

भोपाल (एजेंसी)। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया।

- बंगाल कई जिलों के लिए रेड वॉर्निंग- बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बना है। भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के लिए रेड वॉर्निंग जारी की। यह कलर-कोडेड वॉर्निंग का सबसे ऊंचा स्तर है। विभाग ने झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और हावड़ा के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया और लोगों से खराब मौसम के लिए तैयार रहने को कहा। साथ ही, चेतावनी दी कि

रविवार को हालात और बिगड़ सकते हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन को बारिश से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। अधिकारियों को संवेदनशील और निचले इलाकों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

भारी बारिश के चलते बाइक पर पेड़ गिरा, दो घायल

मुंबई के ठाणे शहर के कलवा इलाके में शनिवार सुबह भारी बारिश के दौरान दो-पहिया वाहनों पर पेड़ गिरने से दो लोग घायल हो गए। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि यह घटना खारेगांव नाका पर हुई। उन्होंने कहा, आपदा प्रबंधन सेल को सुबह 9.38 बजे इस घटना की सूचना मिली। सड़क पर एक बड़ा पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में दो लोग आ गए जो उस समय अपने दो-पहिया वाहनों से वहां से गुजर रहे थे। ट्री अथॉरिटी विभाग और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने गिरे हुए पेड़ को काटकर सड़क से हटाया ताकि ट्रैफिक के लिए रास्ता साफ हो सके।

बाराबंकी में हाईवे पर बनेंगे दो ओवरब्रिज और 2 अंडरपास

- लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर 170 करोड़ खर्च करेगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसों में अंकुश व स्थानीय लोगों के सुरक्षित आवागमन के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जल्द काम शुरू करने जा रहा है। जिले की सीमा में हाईवे पर दो ओवर ब्रिज और दो अंडर पास बनाने की तैयारी अंतिम चरण में है। सभी औपचारिकताएं समय से पूरी हो गईं तो अक्टूबर माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। जिसका बजट 170 करोड़ बताया जा रहा है। करीब एक वर्ष पहले बनी इस परियोजना में चार ऐसे स्थानों को चिह्नित किया गया है, जहां लगातार बढ़ते यातायात और सड़क पार करने के दौरान होने वाले हादसों को देखते हुए स्थायी समाधान की जरूरत महसूस की गई थी। योजना के तहत सफेदाबाद और सफदरगंज चौराहा पर ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे, जबकि सफदरगंज के दादरा और रामसनेहीघाट के भटरिया में अंडर पास का निर्माण होगा।

आपातकालीन सेवाओं में मिलेगा लाभ- इन स्थानों पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों और किसानों का प्रतिदिन आवागमन रहते हैं। लोगों को हाईवे पार करने के लिए तेज रफ्तार वाहनों के बीच से गुजरना पड़ता है, जिससे कई बार अवैध कट भी बना लिए जाते हैं।

5 महाद्वीप चाहते हैं संघ उनके कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ के चरित्र निर्माण के मॉडल ने दुनिया भर में दिलचस्पी पैदा की है। भारत और पांचों महाद्वीपों से लोग यह पूछने आ रहे हैं कि क्या आरएसएस कार्यकर्ता उन्हें ट्रेनिंग दे सकते हैं। वे अपने देशों में युवाओं को इसी तरह की मूल्यों पर आधारित ट्रेनिंग देना चाहते हैं। संघ प्रचारकों के जीवन और योगदान को दिखाने वाली सीरीज के 100वें वीडियो के लॉन्च पर बोलते हुए मोहन भागवत ने यह बात कही। आरएसएस चीफ ने कहा कि संघ का मिशन सिर्फ अच्छे चरित्र वाले लोग बनाने से कहीं आगे तक जाता है। उन्होंने कहा कि यह सफर अभी जारी है। अभी बहुत दूर जाना है। संघ का काम सिर्फ चरित्र निर्माण का उदाहरण पेश करने तक सीमित नहीं है।

किताबें पढ़कर या लेक्चर सुनाकर नहीं समझ सकते सिद्धांत- मोहन भागवत ने कहा कि संघ के सिद्धांतों को सिर्फ किताबें पढ़कर या लेक्चर सुनकर नहीं समझा जा सकता, बल्कि उन्हें जीवन में उतारकर ही समझा जा सकता है।

खामेनेई की विदाई में काले कपड़े पहने पहुंचे लाखों लोग

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए शनिवार को लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे हैं। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाते दिखे। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए। तेहरान में 3 जुलाई से खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। कल शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने मानवता के नाते ऐसा किया है। कार्यक्रम खत्म होने के तुरंत बाद ईरान को अमेरिकी शर्तें माननी होंगी।

अंतिम संस्कार के लिए तेहरान में कड़ी सुरक्षा- खामेनेई के अंतिम संस्कार को लेकर तेहरान की सड़कों पर सेना और पुलिस की भारी तैनाती की गई है। सभी मुख्य सड़कों, चौराहों और सरकारी इमारतों के बाहर सेना और पुलिस बल तैनात है। मेन रोड्स पर मिलिट्री गाड़ियां पहरा दे रही हैं। खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल आम लोगों के लिए तेहरान में मेट्रो और सरकारी बसें मुफ्त रहीं। साथ ही होटल किराए में 50 फीसदी की छूट और स्कूलों-मस्जिदों में ठहरने की व्यवस्था की गई। दूसरे शहरों से लोगों को लाने के लिए स्पेशल ट्रेनें भी चलाई गईं। अली खामेनेई की अंतिम यात्रा पहले ईरान के तेहरान, कोम से इराक के कर्बला, नजफ से होकर गुजरेगी। आखिर में 9 जुलाई को मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। कतर ने बताया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका-ईरान वार्ता का अगला दौर फिर शुरू होगा। ईरान ने परमाणु ठिकानों के निरीक्षण से इनकार किया है।

जिस बाथरूम में दफन थी पति की लाश, वहीं नहाती रही रूबी

आगरा केस की छिपी कहानी, पति की हत्या करके बाथरूम में दफनाया, फर्श बनवाया

आगरा (एजेंसी)। आगरा में महिला ने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया। ऊपर से फर्श बनवा दी और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। 45 दिनों तक पुलिस और घरवालों को गुमराह किया। जांच के दौरान महिला पुलिस के साथ सीसीटीवी फुटेज देखती रही और रोने का नाटक करती रही। महिला के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया। उसने महिला से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद महिला ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। इसी वजह से उसने खीर में

18 से ज्यादा नींद की गोलियां मिलाकर पति को खिला दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। मैंने जेठ को फोन कर राजस्थान से बुलाया, लेकिन उन्हें घर के अंदर नहीं आने दिया। मैं दोनों बच्चों और सास को घर से करीब 100 मीटर दूर ले गई और वहीं से तीनों को जेठ के साथ भेज दिया। इसके बाद शव को कमरे से खींचकर बाथरूम में ले गई और गड्ढा खोदकर दफना दिया। जेठ को बताया कि पति उससे झगड़ा कर 5 हजार रुपए लेकर चला गया है। फिर खुद भी राजस्थान चली गई। 8 दिन बाद लौटकर आई और मजदूर बुलवाकर बाथरूम में फर्श बनवा दी। सुरेंद्र शर्मा मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले थे। वे आगरा में पत्नी, बच्चों और मां के साथ रहते थे।

पति की हत्या करके बच्चों-सास को राजस्थान भेजा

राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। उनकी शादी साल 2010 में रूबी से हुई थी। रूबी इटावा की रहने वाली है। उनकी दो बेटियां रिद्धी (13) और सिद्धी (9) हैं। सुरेंद्र के साथ उनकी मां कमला भी रहती थीं। उन्हें आंखों से कम दिखाई देता है। उनके पिता राधेश्याम शर्मा शिक्षक थे। उनकी कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। बड़े भाई अनिल शर्मा ने बताया कि सुरेंद्र और रूबी के बीच अनबन रहती थी। 18 मई की सुबह 9-10 बजे रूबी का उनके पास फोन आया था। वह कह रही थी कि घर में पुलिस का कोई केस बन गया है, आप मम्मी और दोनों बच्चों को यहां से ले जाओ। मैंने उससे पूरी बात पूछी, लेकिन उसने कुछ बताया नहीं, बस तीनों को ले जाने के लिए कहा। रूबी ने यह भी कहा कि घर मत आना, मैंने तीनों को पास की दुकान पर बैठा दिया है।

सोनी बने अमर शहीद फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल (नप्र)। अमर शहीद फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष शर्मा ने राष्ट्रीय महासचिव अरुण वर्मा की सहमति से अमर शहीद फाउंडेशन मध्य प्रदेश के वरिष्ठ समाजसेवी ओ पी सोनी को

प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है, साथ ही एस सी त्रिपाठी को महासचिव एवं सोनम पाटिल को प्रदेश सचिव पद पर नियुक्त किया है. बता दें कि फाउंडेशन के उद्देश्य एवं नीति अनुसार समाज में व्याप्त कुरीतियों, अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न के खिलाफ आवाज, आतंकवाद एवं मानवाधिकार हनन जैसी गंभीर समस्याओं के विरुद्ध सक्रिय भूमिका निभाना है. फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अरुण वर्मा ने बताया कि फेडरेशन के पदाधिकारियों ने पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की और फेडरेशन के उद्देश्यों से उन्हें अवगत कराया। वर्मा ने यह भी बताया कि जल्द ही फेडरेशन का राष्ट्रीय सम्मेलन करने जा रहें है जिसकी विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मां शारदा देवी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार को संक्षिप्त प्रवास पर मैहर पहुंचे, जहां उन्होंने मां शारदा देवी के दर्शन कर विधि-विधान से

पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।दर्शन-पूजन के उपरांत उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल मैहर से कटनी के लिए रवाना हुए। इस दौरान मैहर विधायक श्री कांत चतुर्वेदी, गणमान्य नागरिक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली उपभोक्ताओं को अलर्ट, फर्जी मैसेज और कॉल के जरिए हो रही ठगी

भोपाल । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के सम्माननीय बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें।

बड़ा तालाब के एफटीएल दायरे में फार्म हाउस-बंगले

कार्रवाई करने मैदान में उतरी जिला प्रशासन-निगम की टीमें, 6 कब्जे हटेंगे

भोपाल(नप्र)। भोपाल के बड़ा तालाब किनारे अतिक्रमण और कब्जों को हटाने के लिए शनिवार से फिर बड़े स्तर पर कार्रवाई शुरू हो गई थी। जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की टीमें कार्रवाई के लिए मैदान में उतरी। इस दौरान फार्म हाउस और बंगले हटाए जा रहे हैं। ये बड़ा तालाब के फुल टैंक लेवल यानी एफटीएल के दायरे में आ रहे थे। बता दें कि कुछ दिन पहले ही नगर निगम ने नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल (एनजीटी) में अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) पेश की थी। जिसमें बताया था कि तालाब क्षेत्र के 21 अतिक्रमण हटाए जाएंगे। इसके चलते शनिवार से कार्रवाई शुरू की गई। सुबह से ही नगर निगम बिल्डिंग शाखा, जिला प्रशासन की टीमें गौरागांव, बिशनखेड़ी पहुंची और कार्रवाई शुरू की। निगम के उपायुक्त भुवन गुप्ता के निर्देशन में पूरी कार्रवाई की जा रही है। टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा, तहसीलदार कुणाल राउत भी मौजूद हैं। शनिवार को कुल 6 अतिक्रमण हटाए जा रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सुजलॉन ग्रुप के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री अजय कपूर ने मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की।

मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक का आना मुश्किल

सरकार ने 26 जुलाई तक बढ़ाया यूसीसी कमेटी का कार्यकाल, 24 को खत्म हो जाएगा विधानसभा सत्र

भोपाल (नप्र)। सरकार ने यूसीसी का मसौदा तैयार कर रही उच्च स्तरीय समिति का कार्यकाल 26 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया है, जबकि विधानसभा का मानसून सत्र 24 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। ऐसे में इस सत्र में विधेयक पेश होने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने 30 जून को जारी अधिसूचना में समिति के सदस्य सचिव के अनुरोध और ड्राफ्ट तैयार करने की प्रगति को देखते हुए कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया। समिति के गठन से जुड़े अन्य सभी प्रावधान यथावत रहेंगे।

गुजरात मॉडल पर तैयार हो रहा ड्राफ्ट- सूत्रों के अनुसार, अब तक तैयार ड्राफ्ट का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा गुजरात सीसी के प्रावधानों पर आधारित है। इसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, वसीयत, भरण-पोषण, बच्चों की अभिरक्षा और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे पारिवारिक मामलों के लिए सभी समुदायों पर समान कानूनी व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है।

सीएम के बयान से बने हुए हैं कयास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले कह चुके हैं कि जुलाई में होने वाले मानसून सत्र के दौरान यूसीसी कानून का रूप ले सकता है। 2 जुलाई को मुख्यमंत्री के समक्ष यूसीसी ड्राफ्ट का प्रेजेंटेशन भी हो चुका है। ऐसे में अधिकारियों का कहना है कि समिति का कार्यकाल बढ़ने के बावजूद सरकार ड्राफ्ट को अंतिम रूप देकर विधेयक लाने का प्रयास कर सकती है।

देवास के जंगल में वर्चस्व की लड़ाई लड़ने वाले 'युवराज' की हालत अभी भी नाजुक

भोपाल वन विहार में चल रहा इलाज

भोपाल (नप्र)। देवास जिले के खिवनी वाइल्डलाइफ सेंचुरी में अपनी सल्तनत बचाने के लिए हुए एक खूनी संघर्ष में गंभीर रूप से घायल बाघ 'युवराज' की हालत काफी चिंताजनक बनी हुई है। भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में किए गए एक विस्तृत मेडिकल और एक्स-रे परीक्षण में खुलासा हुआ है कि बाघ के दोनों अगले पैरों में गंभीर फ्रैक्चर हैं।

वरिष्ठ वन अधिकारियों के निर्देश पर 27 जून को एक विशेष रेस्क्यू टीम द्वारा युवराज को वन विहार के रेस्क्यू सेंटर लाया गया था। तब से वह लगातार डॉक्टरों की सघन निगरानी में है।

एक्स-रे में हुआ बड़ा खुलासा, पिछले पैर में आए 6 टांके- वन विहार प्रबंधन के मुताबिक, स्टेट वेटनरी हॉस्पिटल जहांगीराबाद के सीनियर वेटनरी सर्जन डॉ. एसके टुमडिया, वन विहार के वाइल्डलाइफ हेल्थ ऑफिसर डॉ. अतुल गुप्ता और वाइल्डलाइफ एसओएस के डॉ. विनीत की संयुक्त टीम ने बाघ का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण और एक्स-रे किया। इस जांच में सामने आया कि युवराज के दोनों अगले पैरों और बाएं पिछले पैर पर गहरे जख्म हैं। एक्स-रे रिपोर्ट में दोनों सामने के पंजों में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है। बाएं पिछले पैर का घाव बेहद गहरा होने के कारण डॉक्टरों को सर्जरी कर उसमें छह टांके लगाने पड़े हैं।

डॉक्टरों की टीम कर रही है पल-पल की मॉनिटरिंग- वन विहार की सहायक संचालक रूही हक ने बताया कि जब से घायल बाघ को रेस्क्यू सेंटर लाया गया है, उसकी स्थिति को स्थिर करने के लिए लगातार इलाज और थेरेपी दी जा रही है। परीक्षण के दौरान वन विहार के तमाम आला अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स का कहना है कि बाघों के बीच आपसी

वर्चस्व की लड़ाई बेहद जानलेवा होती है। फिलहाल युवराज की पल-पल की मॉनिटरिंग की जा रही है और पूरी तरह ठीक होने तक उसका इलाज जारी रहेगा।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सफल आयोजन

1 करोड़ 6 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई गई पोलियो वैक्सीन की खुराक

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सफल संचालन 28 से 30 जून तक किया गया। अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 1 करोड़ 6 लाख 51 हजार 737 बच्चों को पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाई गई। अभियान के सफल संचालन में प्रदेश के समस्त जिलों द्वारा उत्कृष्ट समन्वय, प्रभावी सूक्ष्म योजना, सुदृढ़ मॉनिटरिंग एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर से लेकर घर-घर भ्रमण तक व्यापक व्यवस्थाएं की गईं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की सफलता पोलियो उन्मूलन के प्रति प्रदेश की दृढ़ प्रतिबद्धता, स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण तथा जनसहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रदेश सरकार भविष्य में भी बच्चों को पोलियो जैसी

गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए सतत रूप से प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न पोलियो बूथों का उद्घाटन किया गया। स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा समुदाय की सक्रिय सहभागिता से अभियान के क्रियान्वयन में बेहतर परिणाम प्राप्त हुए। दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों सहित सभी पात्र बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए किसी भी बच्चे को पोलियो खुराक से वंचित न रहने देने के उद्देश्य से विशेष प्रयास किए गए। अभियान के दौरान छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें भी पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाई गई।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व.गुलजारी लाल नंदा की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व- गुलजारी लाल नंदा की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में दिए गए उनके योगदान और श्रमिक कल्याण के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों का स्मरण किया।

बस ने परिवार को रौंदा...बच्चे का सिर धड़ से अलग

पिता-बेटे की मौत, 3 साल का मासूम बाइक से उछलकर गिरा, पत्नी भी घायल

रायसेन (नप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार परिवार के दो लोगों की जान चली गई। शक्ति ट्रेवल्स की तेज रफ्तार बस ने बाइक को रौंद दिया।

हादसे में पिता पूरन आदिवासी और उनके 5 वर्षीय बेटे डब्बू आदिवासी की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्चे का सिर धड़ से अलग हो गया। हादसे में 3 साल का दूसरा बेटा उछलकर सड़क किनारे जा गिरा और घायल हो गया, जबकि पत्नी संध्या को भी चोटें आई हैं।

ससुराल से घर लौट रहा था बाइक सवार- पूरन आदिवासी पत्नी और दो बच्चों के साथ ससुराल आलमपुर से अपने गांव कालापाठा लौट रहे थे। चारों एक ही बाइक पर सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर लगते ही सबसे आगे बैठा 3 साल का बच्चा उछलकर सड़क किनारे गिर गया, जिससे उसकी जान बच गई, लेकिन वह घायल हो गया। मृतक पूरन आदिवासी मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था

भोपाल आरजीपीवी में एग्जाम से ठीक पहले गायब हुए 9 विषयों के प्रश्नपत्र

छात्रों का गुस्सा फूटा, पुलिस जांच में जुटी, परीक्षा स्थगित

भोपाल (नप्र)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट में सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है।

परीक्षा शाखा से गोपनीय प्रश्नपत्रों के 9 बंडल रहस्यमय ढंग से गायब हो गए हैं। इस बड़ी चूक के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन को ऐन वक्त पर परीक्षा स्थगित करने का फैसला लेना पड़ा, जिसके चलते छात्रों ने कैंपस में भारी हंगामा और विरोध प्रदर्शन किया।घटना की गंभीरता को देखते हुए गांधी नगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

परीक्षा से चंद मिनट पहले हुआ एलान, भड़के छात्र- पुलिस और यूनिवर्सिटी अधिकारियों के मुताबिक, स्कूल ऑफ बायोमॉलिक्यूलर टेक्नोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी की परीक्षा शाखा से आगामी परीक्षाओं से जुड़े करीब 9 विषयों के प्रश्नपत्र गायब मिले। सुबह 11 बजे होने वाली पीजी फोर्थ सेमेस्टर (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) की परीक्षा देने पहुंचे छात्रों को एग्जाम शुरू होने से ठीक पहले बताया गया कि पेपर उपलब्ध न होने के कारण परीक्षा टाल दी गई है।

इस अचानक हुए एलान से छात्र आक्रोशित हो गए और उन्होंने कैंपस में नारेबाजी शुरू कर दी।

ताले चाबी सही-सलामत, अंदरूनी मिलीभगत की आशंका

गांधी नगर थाना प्रभारी विजेंद्र मर्सकोले ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की शिकायत पर मामला दर्ज कर हर एंगल से जांच की जा रही है। शुरुआती तफ्तीश में बेहद चौंकाने वाली और संदिग्ध परिस्थितियां सामने आई हैं। परीक्षा शाखा में एक दर्जन से अधिक अलमारियां रखी हुई हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि केवल वही एक अलमारी खुली पाई गई जिसमें प्रश्नपत्र रखे हुए थे। इसके अलावा, परीक्षा शाखा का मुख्य प्रवेश द्वार, ग्रिल गेट और ताले पूरी तरह सुरक्षित और बंद थे। हालांकि, कार्यालय की एक खिड़की टूटी हुई मिली है। किसी भी अन्य दरवाजे या लॉक के साथ छेड़छाड़ का कोई निशान नहीं मिला है। ताले सुरक्षित होने और सिर्फ वही एक सटीक अलमारी खुलने की टाइमिंग से पुलिस को इस पूरे कांड में किसी अंदरूनी सूत्र या विभाग के ही किसी कर्मचारी के शामिल होने का गहरा शक है।

भोपाल में ई-रिक्शा के रूट तय होंगे

ब्लैक स्पॉट सुधरेंगे, हेलमेट अभियान चलेगा, नादरा बस स्टैंड नए परिसर में पहुंचेगा

भोपाल(नप्र)। भोपाल में 15 हजार से अधिक ई-रिक्शा रजिस्टर्ड है, लेकिन इनका रूट तय नहीं है। कई रूट पर तो ई-रिक्शा की संख्या अधिक है, लेकिन कुछ रूट पर एक भी ई-रिक्शा नहीं चलते। इस वजह से कई बार यात्रियों के सामने परेशानी खड़ी हो जाती है। ऐसे में जिला प्रशासन अब इनके रूट तय करेगा। ताकि, यात्रियों को फायदा मिल सके। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के बाद अधिकारी प्लान बनाने में जुट गए हैं। साथ ही उन निर्णयों पर भी चर्चा का दौर है, जो बैठक में लिए गए थे। अफसरों का कहना है कि अगले 15 दिन के अंदर अधिकांश निर्णयों को अमल में लाने पर जोर है।

16 ब्लैक स्पॉट में से 5 पर काम- जानकारी के अनुसार जिले के लिस्टेड 16 ब्लैक में से 5 पर काम चल रहा है। इनमें 1250 चौराहा, हबीबगंज, 1100 क्वार्टर, व्यापमं और तरुण पुष्कर क्षेत्र में सुधार कार्य प्रगति पर हैं। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने गोविंदपुरा, ट्रेनिंग सेंटर एवं आईएसबीटी क्षेत्र के कार्य तत्काल प्रारंभ करने और अन्य स्वीकृत लेफ्ट टर्न निर्माण को जल्दी करने को कहा है।

फुटपॉट से हटेंगे अतिक्रमण

शहर में ई-रिक्शा संचालन को सुव्यवस्थित करने, आवश्यकतानुसार रूट डायवर्जन लागू करने, मुख्य मार्गों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस, संबंधित एसडीएम एवं नगर निगम संयुक्त कार्रवाई करेंगे।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

सोनोग्राफी केंद्र सील किया गया

इंदौर। पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए डॉ दीक्षा वुमेन्स क्लिनिक एवं सोनोग्राफी केंद्र, एलजी-2ए, लक्ष्य

चौराहा, रानी बाग, खंडवा रोड, इंदौर का पंजीयन निलंबित कर केन्द्र के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई। क्लिनिक का औचक निरीक्षण पीसीपीएनडीटी की नोडल अधिकारी डॉ निर्मला अखंड एवं पर्यवेक्षण दल की सदस्य श्रीमती दीपमाला बामने द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि केंद्र पर डॉ पूनम रायकवार ओपीडी संचालित कर रही थीं, जबकि केन्द्र से संबंधित समस्त पंजीयन डॉ. दीक्षा छाछरिया के नाम पर दर्ज हैं। इसे प्रथम दृष्टया पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन माना गया। निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितताओं की सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ माधव प्रसाद हासानी को दी गई। इसके उपरांत कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशानुसार 29 जून को निरीक्षण दल द्वारा केन्द्र के सभी आवश्यक अभिलेख एवं दस्तावेज सीज करने की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा निरीक्षण प्रतिवेदन कलेक्टर को प्रस्तुत किए जाने के बाद उपलब्ध तथ्यों के आधार पर 3 जुलाई 2026 को क्लिनिक का पीसीपीएनडीटी पंजीयन निलंबित कर दिया गया तथा सोनोग्राफी केंद्र के संचालन पर रोक लगा दी गई।

नीम का पेड़ ढहा, कार क्षतिग्रस्त

इंदौर। शहर में शुक्रवार को हुई बारिश के दौरान जंजीर वाले

चौराहे के समीप वर्षों पुराना नीम का पेड़ अचानक भरभराकर गिर पड़ा। पेड़ की चपेट में आने से पास खड़ी एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के समय वहां अफरा-तफरी मच गई, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सूचना मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और पेड़ हटाने का काम शुरू किया। पेड़ गिरने से कुछ देर तक यातायात भी प्रभावित रहा।

धमकी, पीछा करने और शादी का दबाव बनाने के तीन मामले दर्ज

इंदौर। महिलाओं और छात्राओं के साथ धमकी, पीछा करने और मानसिक प्रताड़ना के तीन अलग-अलग मामले सामने आए हैं। खजराना, परदेशीपुरा और जूनी इंदौर थाना पुलिस ने पीड़िताओं की शिकायत पर आरोपियों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खजराना थाना क्षेत्र की 35 वर्षीय महिला ने बताया कि वह सिलाई करती है, जबकि पति बबलू शेख की देवास में नौकरी है। महिला के अनुसार पति के व्यवहार से परेशान होकर वह दो महीने से अलग रह रही थी। इसके बाद पति फोन कर उसे जान से मारने, हाथ-पैर कटवाने और कहीं फिंकवा देने जैसी धमकियां देने लगा। पति के कहने पर उसका दोस्त जाकिर पटेल भी फोन कर उसे डराता धमकाता था। दूसरा मामला विजयनगर का है, जहां पुलिस ने बीकॉम अंतिम वर्ष की छात्रा की शिकायत पर अभिषेक पर छेड़छाड़, पीछा करने और धमकी देने का मामला दर्ज किया। छात्रा ने बताया कि कुछ समय पहले उसकी पहचान इंस्टाग्राम के जरिए अभिषेक से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसे मंगल सिटी मॉल बुलाकर शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन पढ़ाई पूरी होने का कारण बताते हुए छात्रा ने इंकार कर दिया। इसके बाद आरोपी लगातार परेशान करने लगा। उसने छात्रा के परिजनों से भी शादी की बात की और धमकी दी कि यदि उसकी शादी किसी और से हुई तो वह उसे बदनाम कर देगा और जान से मार देगा। तीसरा मामला जूनी इंदौर पुलिस को 12वीं कक्षा की छात्रा ने बताया कि आरोपी जयप्रकाश दो महीने से स्कूल आने-जाने के दौरान उसका पीछा कर रहा था। काफी समय तक यह सिलसिला जारी रहने के बाद उसने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी।

महू में वन भूमि पर कब्ज़ा रोका गया

महू। वन विभाग ने जंगल की शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश को समय रहते विफल करते हुए कार्रवाई की है। महू क्षेत्र के कुशलगढ़ बीट के कक्ष क्रमांक-102 में वन भूमि पर अतिक्रमण की सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कब्जा करने पहुंचे लोगों को खदेड़ दिया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों में अफरा-तफरी मच गई और वे मौके से भाग निकले। रेंजर नयन कुमार मालवीय के नेतृत्व में वन अमले ने तत्काल मौके पर पहुंचकर वन भूमि का निरीक्षण किया और अवैध कब्जे की कोशिश को पूरी तरह नाकाम कर दिया। विभाग की सतर्कता के चलते जंगल की जमीन को सुरक्षित बचा लिया गया। वन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई कर दोषियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत सख्त वैधानिक कदम उठाए जाएंगे।

वेलोसिटी नाले के गहरीकरण के निर्देश

इंदौर। लगातार बारिश के बीच शहर में जलभराव की समस्या को लेकर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार को बाम्बे हॉस्पिटल, लसूड़िया मोरी, एसआर कम्पाउंड, पंचवटी, रेडिसन और रोबोट चौराहा सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। एसआर कम्पाउंड में एक निर्माण कार्य के दौरान स्टॉर्म वाटर लाइन क्षतिग्रस्त मिलने पर आयुक्त ने तत्काल काम रुकवाकर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही सीवरेज कार्य के बाद सड़क का रेस्टोरेशन शीघ्र पूरा करने को कहा। रेडिसन से रोबोट चौराहे तक निरीक्षण के दौरान जल निकासी व्यवस्था का जायजा लेते हुए वेलोसिटी के सामने स्थित नाले के गहरीकरण और सफाई के निर्देश दिए गए। निगम अमले ने आयुक्त के निर्देश मिलते ही नाले की सफाई और गहरीकरण का कार्य शुरू कर दिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगवंकर सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पति, सास पर दहेज हत्या का केस

इंदौर। दहेज प्रताड़ना से तंग आकर सत्यसाई बाग कालोनी की महिला सुहानी ने 21 जून आत्महत्या कर ली थी। मामले में जांच के बाद बाणगंगा पुलिस ने महिला के पति और सास पर दहेज हत्या का केस दर्ज किया था। पुलिस जांच और परिजनों के बयानों में सामने आया कि पति विशाल विश्वकर्मा और सास भगवती मृतका को मायके से 10 लाख रुपए लाने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे, जिससे तंग आकर उसने खुदकुशी की थी।

ट्राले ने युवक को कुचला

इंदौर। स्कीम नंबर 136 चौराहे से खालसा चौराहे के बीच अनियंत्रित भारी ट्राले ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। ट्राले की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। लसूड़िया पुलिस के अनुसार, इस हादसे में मृतक की शिनाख्त निशांत जोशी निवासी श्रीनाथ मल्टी, लोहामंडी के रूप में हुई है। निशांत किसी निजी काम से लसूडिया की तरफ गया हुआ था। जब वह स्कीम नंबर 136 चौराहे से गुजर रहा था, तभी सामने से आ रहे हरियाणा पासिंग ट्राले के चालक ने अपनी चपेट में ले लिया था।

बिना इमारत के कागजों पर 100 बेड का अस्पताल, 87 पद मंजूर, तबादले भी जारी

6 साल बाद भी जमीन नहीं, मरीज नहीं, फिर भी स्टाफ की पोस्टिंग, ट्रांसफर

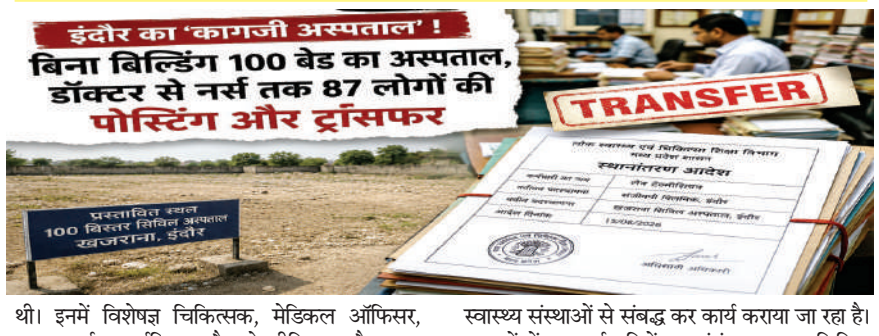

इंदौर। शहर में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करने वाला एक मामला सामने आया। खजराना क्षेत्र के लिए स्वीकृत 100 बेड के सिविल अस्पताल का 6 साल बाद भी न तो भवन बन सका है और न अस्पताल भौतिक स्वरूप में है। इसके बावजूद अस्पताल के नाम पर डॉक्टर, मेडिकल ऑफिसर, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और अन्य कर्मचारियों सहित 87 पद स्वीकृत किए गए, नियुक्तियां हुई और समय-समय पर तबादले भी किए जाते रहे। हाल ही में 15 जून, 2026 को जारी एक आदेश में एक लैब टेक्नीशियन का तबादला आधिकारिक रूप से खजराना सिविल अस्पताल में किया गया। जबकि, यह अस्पताल अब तक एक भी मरीज को भर्ती नहीं कर सका है, क्योंकि इसके लिए न जमीन उपलब्ध है और न ही भवन का निर्माण शुरू हुआ है। 23 जून, 2020 को प्रदेश सरकार ने इंदौर के तेजी से विकसित हो रहे और घनी आबादी वाले खजराना क्षेत्र के लिए 100 बेड वाले सिविल अस्पताल को मंजूरी दी थी। इस अस्पताल से खजराना, मूसाखेड़ी, तेजाजी नगर, बिचौली हप्सी सहित आसपास के क्षेत्रों के 3 लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मिलने की उम्मीद थी।

डॉक्टरों, स्टाफ की नियुक्ति - अस्पताल की स्वीकृति के साथ ही 87 पदों को भी मंजूरी दे दी गई थी। इनमें विशेषज्ञ चिकित्सक, मेडिकल ऑफिसर, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और अन्य सहयोगी कर्मचारी शामिल हैं। हालांकि छह वर्ष बीतने के बाद भी अस्पताल के निर्माण की शुरुआत नहीं हो सकी, क्योंकि विभाग को अब तक उपयुक्त जमीन आवंटित नहीं हो पाई है। इसके बावजूद अस्पताल का नाम और स्वीकृत पद सरकारी पोर्टल पर दर्ज हैं। अस्पताल के नाम पर नियुक्त कर्मचारियों के संबंध में अधिकारियों का कहना है कि सभी कर्मचारियों को फिलहाल पीसी सेठी अस्पताल, हुकुमचंद अस्पताल, संजीवनी क्लीनिक और इंदौर की अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं से संबद्ध कर कार्य कराया जा रहा है। कागजों में इन कर्मचारियों का संबंध खजराना सिविल अस्पताल से बना हुआ है, जबकि वास्तविकता में अस्पताल का कोई भवन, वार्ड, बिस्तर या मरीज मौजूद नहीं है।

जमीन नहीं तो अस्पताल नहीं बना - उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस मामले में कहा कि प्रारंभिक प्रस्ताव समय के साथ बदला था। उनके अनुसार, पहले यह एक अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर था, जिसे बाद में 50 बेड के सिविल अस्पताल के रूप में उन्नत करने का निर्णय लिया गया। लेकिन, उपयुक्त जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि विभागीय पोर्टल पर स्वीकृत पद दर्ज हैं और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आवश्यकतानुसार पैरामेडिकल स्टाफ को आसपास के संजीवनी क्लीनिक से संबद्ध कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि 50 बेड वाले अस्पताल के लिए जमीन तलाशने का काम जारी है और कर्मचारियों को फिलहाल इंदौर की अन्य रिक्त जगहों पर समायोजित किया गया है।

सभी मान रहे कि बात सही - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ माधव हसानी ने भी पुष्टि की कि अस्पताल के साथ सभी पद विधिवत स्वीकृत किए गए थे। उन्होंने कहा कि समय पर सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं हो सकी। शहरी क्षेत्र में जमीन का अधिग्रहण कठिन और लंबी प्रक्रिया होने के कारण अस्पताल का निर्माण शुरू नहीं हो पाया। वहीं, कांग्रेस ने पूरे मामले को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए इसे संभावित घोटाला करार दिया है। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि जिस अस्पताल का जमीन पर कोई अस्तित्व ही नहीं है, वहां कर्मचारियों की पोस्टिंग और तबादले होना गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को विधानसभा में प्रमुखता से उठाएगी।

अस्पताल संचालक के 25 लाख लेकर फरार हुए ड्राइवर को पुलिस ने दबोचा

पचमढ़ी में मिली मोबाइल लोकेशन, चोरी की रकम से खरीदी भी की

इंदौर। लसूड़िया थाना पुलिस ने निजी अस्पताल के संचालक की कार से 25 लाख रुपए नकद चोरी कर फरार हुए ड्राइवर और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी पचमढ़ी में छिपे हुए थे और वहां से गोवा भागने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों को पकड़ लिया। एसीपी पराग सैनी की टीम ने 30 जून को वृंदावन पैलेस कॉलोनी, निपानिया निवासी निजी अस्पताल संचालक मनीष संघवी के ड्राइवर दीपक सोलंकी और उसके साथी मोहित उर्फ चिंटू यादव को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन दीपक ने मनीष संघवी से कार में डीजल भरवाने की बात कही थी। इसके बाद वह कार लेकर चला गया और काफी देर तक वापस नहीं लौटा। जब मनीष बाहर पहुंचे तो कार वहीं खड़ी मिली, लेकिन दीपक गायब था। कार में रखा 25 लाख रुपए से भरा बैग भी नहीं था।

साथी को लेकर भागा

यह राशि अस्पताल से बैंक में जमा कराने के लिए निकाली गई थी। अगले दिन मनीष संघवी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि रकम

लेकर फरार होने के बाद दीपक ने अपने साथी मोहित को फोन कर बताया कि उसके हाथ बड़ी रकम लगी है। इसके बाद दोनों कार से पचमढ़ी पहुंच गए और वहां से गोवा जाने की योजना बना रहे थे।

कार में जीपीएस लगा हुआ

पुलिस लगातार आरोपियों की मोबाइल लोकेशन पर नजर रखे हुए थी। जिस कार से दोनों भागे थे, उसमें जीपीएस भी लगा था, जिससे उनकी गतिविधियों का पता लगाने में मदद मिली। पुलिस ने पचमढ़ी पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने चोरी की रकम से दो महंगे मोबाइल फोन और कुछ कपड़े खरीद लिए थे। पुलिस अब मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी

जमानत बरकरार रखी, मेघालय सरकार की याचिका खारिज की

इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। वह जेल से बाहर रहेगी। मेघालय सरकार ने उसकी जमानत निरस्त करने याचिका दायर की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने यह जरूर कहा कि सोनम जेल से बाहर आ चुकी है, इसलिए हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे। हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां भी ली। जमानत याचिका पर सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को की। इस दौरान मेघालय सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- यह सुनियोजित हत्या का मामला है। सोनम ने 4 साथियों के साथ मिलकर राजा की हत्या की, फिर शव को खाई में फेंक दिया था। घटना के

बाद वह भाग गई थी।

टाइपिंग की गलती से बदली धारा- सॉलिसिटर जनरल ने कहा, गिरफ्तारी से जुड़े दस्तावेजों में हत्या की धारा 103(1) की जगह गलती से धारा 403(1) लिख दी गई थी। यह टाइपिंग एरर है। हाईकोर्ट ने इसी आधार पर जमानत दी है। मजिस्ट्रेट ने आरोपी को गिरफ्तारी के आधार समझाए थे।

ट्रांजिट रिमांड देते समय भी इसका रिकॉर्ड मौजूद है। पहले इसी मामले में जमानत मेरिट के आधार पर खारिज हो चुकी थी। बाद में इस तकनीकी गलती को आधार बनाकर राहत दे दी गई। जस्टिस सुंदरेश ने सोनम की तरफ से पेश वकील से पूछा कि गिरफ्तारी के आधार पहले ही बताए जा चुके थे। शुरूआती जमानत याचिकाओं में यह मुद्दा कभी नहीं उठाया गया। सुप्रीम कोर्ट का आदेश का सम्मान करते हैं। शिलांग पुलिस की गलती का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अब सीबीआई जांच पर भी भरोसा है। विपिन रघुवंशी, मृतक राजा रघुवंशी का भाई।

'एशियन गेम्स' की तैयारी कर रही घुड़सवार से 1.62 करोड़ की ठगी

साइबर पुलिस ने अकाउंट होल्ड कराकर पैसा वापस दिलाया

इंदौर। राज्य साइबर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की एक घुड़सवार के साथ हुई 1.62 करोड़ रुपए की साइबर ठगी का मामला 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए पूरी राशि सुरक्षित वापस दिला दी। शुक्रवार को इस कार्रवाई का खुलासा किया गया। साइबर पुलिस के अनुसार, इंदौर निवासी हजेला परिवार की घुड़सवार सितंबर-अक्टूबर 2026 में जापान में होने वाले एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। प्रतियोगिता के लिए उन्होंने डेनमार्क की कंपनी से घोड़ा खरीदने का सौदा किया था। इस सौदे के तहत कंपनी के अधिकृत बैंक खाते में 45 प्रतिशत भुगतान भी कर दिया गया था। इस बीच 29 मई 2026 को साइबर ठगों ने कंपनी के डायरेक्टर के नाम से फर्जी ईमेल आईडी बनाकर बैंक खाता बदलने संबंधी ईमेल भेज दिया। ईमेल को वास्तविक मानते हुए खिलाड़ी ने 1 करोड़ 62 लाख रुपए जेपी मॉर्गन बैंक में मौजूद ठगों के खाते में ट्रांसफर कर दिए। घटना की शिकायत मिलते ही साइबर पुलिस अधीक्षक सव्यसाची सराफ ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद साइबर टीम ने सबसे पहले स्कैमर के जेपी मॉर्गन बैंक खाते को होल्ड कराया। साथ ही अपनी आधिकारिक ईमेल आईडी से बैंक प्रबंधन को विधिक नोटिस भेजा गया। इस तत्काल कार्रवाई का परिणाम यह रहा कि 30 जून तक ठगी गई पूरी 1.62 करोड़ रुपए की राशि शिकायतकर्ता के बैंक खाते में रिफंड करा दी गई। यह पहला अवसर नहीं है, जब इसी खिलाड़ी को बिजनेस ईमेल के जरिए निशाना बनाया गया हो। इससे पहले नवंबर-दिसंबर 2025 में भी उनके साथ फॉड के माध्यम से 3.75 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हुई थी। उस मामले में भी साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए पूरी राशि वापस दिलाने में सफलता हासिल की थी।

रिटायर्ड पुलिस अधिकारी की बेटी को शादी का झांसा, दुष्कर्म किया

8 दिन बाद जब दोबारा थाने पहुंची तब उसकी रिपोर्ट लिखी

इंदौर। शहर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक रिटायर्ड वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की बेटी ने ग्वालियर निवासी युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती शुक्रवार को एक बार फिर एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंची। उसका कहना है कि उसने इसी मामले में 8 दिन पहले भी शिकायत दी थी, लेकिन तब पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया। पीड़िता के अनुसार, करीब एक माह पहले उसकी पहचान एक डेटिंग ऐप के माध्यम से ग्वालियर निवासी सुमित से हुई थी। दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी। सुमित निजी कंपनियों में मैनपावर सप्लाई का काम करता है और कंपनी के काम से पीथमपुर आया हुआ था।

शादीशुदा ने शारीरिक संबंध बनाए

युवती का आरोप है कि सुमित ने उसे लसूड़िया क्षेत्र के एक होटल में मिलने के लिए बुलाया। वहां उसने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब उसने विवाह की बात की तो पता चला कि सुमित पहले से शादीशुदा है। इसके बाद उसने शादी से साफ इनकार कर दिया और उसका फोन उठाना भी बंद कर दिया।

एफआईआर दर्ज नहीं की गई- घटना के बाद युवती ने 8 दिन पहले लसूड़िया थाने में शिकायत दी थी, लेकिन उसके अनुसार उस समय एफआईआर दर्ज नहीं की गई। शुक्रवार को वह दोबारा शिकायत लेकर थाने पहुंची। पुलिस का कहना है कि युवती का आवेदन प्राप्त कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दौसा हादसे के दोनों मृतकों की अंत्येष्टि

इंदौर। राजस्थान के दौसा जिले में तीन दिन पहले हुई हादसे में इंदौर की महिला निर्मला गुप्ता और युवती भूमि भोरे की मौत हो गई थी। दोनों के शव शुक्रवार तड़के इंदौर लाए गए। भूमि का अंतिम संस्कार मेघदूत गार्डन के पीछे मुक्तिधाम, निर्मला का रीजनल पार्क मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया गया। शवयात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए थे। निर्मला के शव को बेटे मयंक ने मुखाग्नि दी। निर्मला पति चंद्रप्रकाश के साथ चारधाम यात्रा पर गई थी। यात्रा से लौटते समय वह हादसे का शिकार हो गई थी। उधर, मेघदूत नगर में रहने वाली भूमि का पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचा। उन्हें अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पड़ोसियों ने बताया कि भूमि खुशी-खुशी चारधाम यात्रा पर गई थीं, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि वह इस तरह लौटेंगी। मुक्तिधाम में उनके छोटे भाई दक्ष भोरे ने मुखाग्नि दी। निर्मला की दो बेटियां और एक बेटा है। बेटी विदिशा में कलेक्टर, दूसरी ग्वालियर में सरकारी डॉक्टर हैं, जबकि बेटा बेंगलुरु में हौंडा कंपनी में कार्यरत है।

नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 स्कूल वाहन आरटीओ ने जब्त किए

फायर सेफ्टी, स्पीड गवर्नर व अन्य सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच

इंदौर। आरटीओ द्वारा स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छोटा बांगड़दा क्षेत्र स्थित स्कूलों के वाहनों की सघन एवं आकस्मिक जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 3 स्कूल बसें, 3 ट्रेवलर एवं 4 मैजिक वाहन सहित कुल 10 वाहनों को जब्त किया गया। जांच अभियान के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। साथ ही वाहनों का भौतिक निरीक्षण कर यह भी देखा गया कि वे फिटनेस एवं परमिट की शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान फायर सेफ्टी उपकरण, स्पीड गवर्नर तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्था की

भी जांच की गई। आरटीओ अधिकारियों ने स्कूली बच्चों एवं उनके अभिभावकों से भी फीडबैक प्राप्त किया। इस दौरान वाहन चालकों द्वारा तेज गति से वाहन चलाने, मोबाइल फोन का उपयोग करने तथा अन्य सुरक्षा संबंधी पहलुओं की जानकारी ली गई।

दिशा-निर्देशों का उल्लंघन

जांच में पाया गया कि कई वाहन स्कूली बच्चों की सुरक्षा से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर रहे थे। इसके अलावा तीन वाहनों के परमिट एवं फिटनेस प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त हो चुकी थी। मौके पर ही कार्रवाई करते हुए संबंधित 3 बसें, 3 ट्रेवलर और 4 मैजिक वाहनों को जब्त कर लिया गया। इस कार्रवाई में आरटीओ प्रदीप शर्मा, एआरटीओ सुश्री अर्चना मिश्रा, आरटीओ कार्यालय का अमला एवं उड़नदस्ता दल शामिल रहा।

पीएनजी ब्लास्ट से निगम ने पल्ला झाड़ा, न अनुमति दी, न मशीन दी

जिम्मेदारों के खिलाफ हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर

इंदौर। विजय नगर क्षेत्र के सुमन नगर में 23 जून को हुए गैस पाइपलाइन ब्लास्ट मामले में नगर निगम ने हाई कोर्ट में अपनी जिम्मेदारी से इनकार कर दिया है। निगम की ओर से कोर्ट को बताया गया कि न तो बोरिंग की कोई अनुमति जारी की गई थी और न ही निगम ने मौके पर बोरिंग मशीन भेजी थी। नगर निगम के अनुसार बोरिंग मशीन पार्षद बालमुकुंद सोनी द्वारा बुलाई गई थी। हादसे को लेकर अधिवक्ता रितेश ईनाणी ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर जिम्मेदारों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने और घायलों का निशुल्क उपचार कराने की मांग की है।

मामले की पिछली सुनवाई में कोर्ट झुलसे लोगों के मुफ्त इलाज और गंभीर रूप से घायल युवती को बेहतर उपचार के लिए अहमदाबाद भेजने के निर्देश दे चुका है।

जांच जारी, फिर रिपोर्ट पेश- शुक्रवार को हुई सुनवाई में शासन की ओर से बताया गया कि मामले की पुलिस जांच अभी जारी है और जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए पूछा कि जांच आखिर कब तक चलेगी और 13 जुलाई से पहले हर हाल में जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान हादसे में झुलसे लोगों से निजी अस्पतालों द्वारा उपचार के नाम पर राशि वसूलने का मुद्दा भी उठा। इस मामले में पीड़ित परिवारों ने इंटर विनर बनकर अपना पक्ष रखा है। कोर्ट ने सभी संबंधित पक्षों से कहा है कि वे चाहें तो अपना पक्ष लिखित रूप में भी प्रस्तुत कर सकते हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी, जिसमें पुलिस की जांच रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

दैनिक सद्भावना पाती
भोपाल, रविवार 05 जुलाई,2026

संपादकीय | सरकार फिर ला सकती है नया संविधान संशोधन

देश की राजनीति में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के मसले पर लंबे समय से बहस चलती रही है, लेकिन अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, ताकि सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश कर सकती है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पांच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि, विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था।

इसमें कोई दोराय नहीं कि भारतीय राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का बढ़ता दखल आज एक गंभीर समस्या बन चुका है। मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठाकर कई बार ऐसे लोग भी चुनकर संसद या विधानसभाओं में आ जाते हैं, जिन पर जघन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप होता है। अक्सर सामने आने वाली रिपोर्ट में खासी संख्या में दागी जनप्रतिनिधियों के विधायिका में पहुंचने का ब्योरा होता है, जिस पर सभी दल चिंता जताते हैं, लेकिन ऐसे लोगों को टिकट न देने को लेकर किसी के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं दिखती। दूसरी ओर, चुनाव आयोग भी इस मसले पर कोई स्पष्ट रुख अख्तियार नहीं करता है।

इस लिहाज से देखें, तो सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही बढ़ाने से लेकर लोकतंत्र में नैतिकता और शुचिता सुनिश्चित किए जाने के लिए एक सख्त नियमन वक्त की जरूरत है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नया कानून देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर विपरीत प्रभाव डालने वाला न हो। दरअसल, विपक्षी दलों की ओर से प्रस्तावित कानून के प्रावधानों को अलोकतांत्रिक और संघीय ढांचे तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ बताया जा रहा है, जिसमें किसी आरोप के बाद दोषसिद्धि के बजाय सिर्फ हिरासत के आधार पर दंडित किए जाने की व्यवस्था है।

आशंका यह जताई जा रही है कि सत्ताधारी दल की ओर से जांच एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल करके राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार कराया जा सकता है। ऐसे में चुनी हुई सरकारों के सामने भी अस्थिरता का संकट पैदा हो सकता है। जाहिर है, देश की राजनीति को आपराधिक छवि के लोगों से मुक्त करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए जो कानून बने, उसमें अपराधों की प्रकृति स्पष्ट किए जाने से लेकर ऐसे सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है, ताकि महज बदले या किसी सरकार को अस्थिर करने की मंशा से इसका दुरुपयोग न हो सके।

15 हजार से ज्यादा उपग्रह के बीच बढ़ रहा अंतरिक्ष कचरा

पृथ्वी की कक्षा में जिस रफ्तार से अंतरिक्ष कचरा बढ़ रहा है, उसका अनुमान उन देशों ने नहीं लगाया होगा, जो संचार संबंधी जरूरतों और सामरिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए वर्षों से उपग्रह भेजते रहे हैं। इन कचरों की वजह से फिलहाल पृथ्वी के लिए जोखिम पैदा होने की आशंका नहीं है, लेकिन आने वाले वर्षों में खतरा नहीं बढ़ेगा, यह भी नहीं कहा जा सकता। दरअसल, अंतरिक्ष मलबे को साफ करने में न तो किसी की रुचि है और न ही इस संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया कारगर साबित हुई है। खबरों के मुताबिक, अंतरिक्ष में दस सेंटीमीटर से बड़े 36 हजार टुकड़े तैर रहे हैं, जबकि इसके कणों की संख्या करोड़ों में है। इस पूरे मलबे का वजन 13 हजार टन से अधिक है। विचित्र बात है कि तमाम देश सैन्य, संचार, कृषि, मौसम और खुफिया जरूरतों के लिए अंतरिक्ष में अपने उपग्रह तो भेजते हैं, लेकिन उनकी मियाद खत्म होने के बाद उनके निपटान की कोई

तैयारी नहीं करते। कचरे की समस्या इसी वजह से बढ़ी है। चिंता की बात यह है कि कई निजी कंपनियां भी व्यावसायिक उपग्रह अंतरिक्ष में भेज रही हैं, लेकिन इस समस्या को लेकर उनके पास भी कोई ठोस योजना नहीं है। उनका एकमात्र लक्ष्य अपना दबदबा कायम करना है। नतीजा यह है कि इस समय पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे उपग्रहों की संख्या 15 हजार से अधिक हो चुकी है। इनमें 10 हजार उपग्रह तो स्पेसएक्स कंपनी के हैं, जो भविष्य में बड़ी संख्या में और उपग्रह भेजने की योजना बना रही है। इससे आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष कचरे की मात्रा बेतहाशा बढ़ेगी। ये इसलिए खतरनाक बताए जा रहे हैं, क्योंकि ये करीब सात किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से घूम रहे हैं। इस कचरे को निपटाने के मौजूदा तरीके भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। पृथ्वी के वायुमंडल में धकेले जाने के बाद ये जल तो जाते हैं, लेकिन इससे कार्बन कण पैदा होने के कारण ओजोन परत पर असर पड़ता है। आखिरकार इसकी कीमत मनुष्यों को ही चुकानी पड़ेगी। इस कचरे को साफ करने की ठोस योजना नहीं बनी, तो अंतरिक्ष से लेकर पृथ्वी तक आशंका के बादल मंडराते रहेंगे।

आज का कार्टून

भाई-बहन की जोड़ी मोदी-ताकाइची ने रचा इतिहास

हिंद प्रशांत में संतुलन की नई धुरी बने भारत-जापान

जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है। साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है।

नीरज कुमार दुबे

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची को अपनी 'छोटी बहन' बताते हुए भारत और जापान के बीच बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, विशेषकर जापान के नारा प्रांत से भारत के ऐतिहासिक जुड़ाव को रेखांकित किया। वहीं ताकाइची ने भी मोदी को अपना 'बड़े भाई' बताया और कहा कि दोनों देशों के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग रहा। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया और भारतीय तथा जापानी संस्थानों के बीच कई समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की सूक्ष्म तकनीकी क्षमता और भारत की साफ्टवेयर विशेषज्ञता का मेल वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास को नई दिशा देगा। यह सहयोग केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया में तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेजी से भू राजनीतिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रही है।

रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत और जापान ने अपने पहले संयुक्त रक्षा विकास परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना नौसैनिक रेडियो एंटीना प्रणाली 'यूनिकॉर्न' के सह विकास से संबंधित है। इस समझौते को हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम कदम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि दोनों देश क्वॉड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह रक्षा सहयोग विशेष महत्व रखता है।

साथ ही भारत और जापान ने ऊर्जा सुरक्षा तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, धातु और उर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रूपरेखा तैयार की जाएगी। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार व्यवस्था पर भी चर्चा की, जिसके तहत रुपये और येन में सीधे व्यापार की संभावना पर काम होगा। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो सकती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं को अधिक रणनीतिक स्वायत्तता मिलेगी।

साथ ही जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है।

साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की व्यापक उत्पादन क्षमता और जापान की गुणवत्ता आधारित तकनीक मिलकर विश्व को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। इसके साथ ही भारत जापान जैव गैस पहल के अंतर्गत भारत में एक हजार जैव गैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। चीन की सैन्य सक्रियता, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भारत और जापान को और करीब ला दिया है। अमेरिका की विश्वसनीयता को लेकर उठते सवालों के बीच टोक्यो अब नई दिल्ली को अपने सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारों में देख रहा है। भारत भी जापान को केवल निवेशक नहीं बल्कि दीर्घकालिक सामरिक सहयोगी के रूप में देख रहा है।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों ने भी इस साझेदारी को मजबूती दी थी। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी की जापान यात्राओं से शुरू हुआ यह संबंध अब व्यापक सामरिक साझेदारी का रूप ले चुका है। वर्तमान वार्ता ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत जापान संबंध एशिया की सबसे निर्णायक रणनीतिक धुरी बन सकते हैं।

देखा जाये तो भारत और जापान की बढ़ती दोस्ती का प्रभाव केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन पर दिखाई देगा। लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और सामरिक विश्वास पर आधारित यह साझेदारी हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चीन की बढ़ती आक्रामकता, वैश्विक आपूर्ति संकट और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत और जापान का साथ आना एशिया में एक नए रणनीतिक संतुलन का संकेत माना जा रहा है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी न केवल व्यापार, तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगी, बल्कि विश्व राजनीति में भी एक भरोसेमंद और स्थिर शक्ति केंद्र के रूप में उभर सकती है।

वीआईपी कल्चर और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते श्रद्धा के केन्द्र

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सभी मंदिरों की व्यवस्था ही खराब है। अनेक मंदिर प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अन्नदान और सामाजिक सेवा में उत्तम कार्य भी कर रहे हैं। लाखों लोगों को भोजन, चिकित्सा और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसलिए आलोचना का उद्देश्य मंदिरों को बदनाम करना नहीं है, बल्कि उनका मैनेजमेंट करने वालों को अधिक जिम्मेदार और जवाबदेह बनाना है। समय की मांग है कि सभी बड़े मंदिरों में पारदर्शी प्रबंधन, नियमित स्वतंत्र ऑडिट, वित्तीय जानकारी का इंटरनेट पर पारदर्शी होना, ठेकों और खरीद प्रक्रियाओं में खुलापन हो। इसके अलावा मंदिरों में वीवीआईपी कल्चर होना ही नहीं चाहिए, क्योंकि भगवान के लिए प्रत्येक भक्त समान है।

कल्याणी चौधरी

भारत को आस्था और अध्यात्म का देश माना जाता है। मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि लोगों की श्रद्धा और विश्वास का केंद्र भी हैं। भक्तगण अपने साथ उम्मीद, विश्वास और आत्मिक शांति की तलाश में आते हैं लेकिन आज के दौर में कई बड़े मंदिरों की व्यवस्थाओं के रूप बदलते दिख रहे हैं। जहां की पहचान कभी भक्ति हुआ करती थी; वहां अब वीआईपी दर्शन, टिकटों की कई श्रेणियां, ठेकेदारी, व्यावसायीकरण और प्रशासनिक अक्षमता चर्चा का विषय बन गए हैं। सवाल यह नहीं है कि मंदिरों में सुविधाएं क्यों बढ़ रही हैं, बल्कि यह है कि क्या इन सुविधाओं की आड़ में भ्रष्टाचार पनप रहा है? क्या प्रबंधन के नाम पर बनाई गई व्यवस्थाओं के तले श्रद्धालुओं की आस्था पिस रही है?

आज देश के अनेक प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन भी एक तरह की श्रेणी व्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। एक ओर वह श्रद्धालु है जो घंटों लाइन में खड़ा रहता है, दूसरी ओर वह व्यक्ति है जो विशेष शुल्क, प्रभाव या सिफारिश के आधार पर कुछ ही मिनटों में गर्भगृह तक पहुंच जाता है। भगवान के सामने सभी बराबर माने जाते हैं, लेकिन व्यवस्था में यह समानता खत्म होती नजर आती है, हालांकि आम तौर पर दिखाई नहीं देती। यह वीवीआईपी कल्चर केवल सुविधा का प्रश्न नहीं, बल्कि धार्मिक समानता पर भी सवाल खड़ा करता है।

धार्मिक स्थलों के आसपास तेजी से बढ़ता व्यावसायीकरण भी चिंता का विषय है। कई स्थानों पर प्रसाद, फूल, पूजा सामग्री, पार्किंग, लॉकर और अन्य सेवाओं के नाम पर मनमाने दाम वसूले जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। श्रद्धालु जो शांति की तलाश में मंदिर पहुंचता है, उसे कई बार बिचौलिया, अवैध गाइड्स और अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ता है। आस्था का वातावरण अब कारोबारी केंद्र के तौर पर बदला हुआ नजर आता है।

देश के बड़े मंदिरों जैसे काशी विश्वनाथ, तिरुपति बालाजी, माता वैष्णो देवी जैसे मन्दिरों और अन्य प्रमुख तीर्थों में समय-समय पर प्रबंधन, निर्माण कार्य, खरीद प्रक्रिया को लेकर विवाद सामने आते रहते है। इसका हालिया उदाहरण अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भी है। यह भी सच है कि हर आरोप सही साबित नहीं होता और कई मामलों में जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होती है। फिर भी बार-बार विवादों का सामने आना इस बात का संकेत है कि धार्मिक संस्थानों में स्पष्टता और जवाबदेही बेहद जरूरी है।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में दान से जुड़ी कथित चोरी या घोटाले का मामला भी इन्हीं अव्यवस्थाओं के चलते भक्तों के बीच चर्चा का विषय बना है। श्रद्धालु अपनी आस्था और विश्वास के साथ दान करते हैं, लेकिन जब उन्हीं दान पेटियों की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं, तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं रह जाती, बल्कि मंदिरों और धार्मिक संस्थानों की निगरानी सवालों के घेरे में आ जाती है। यह उस जरूरत को जन्म देता है, कि मंदिरों की व्यवस्था और प्रबंधन बेहद सख्त होनी चाहिए।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन उन्हें व्यवस्था के कई स्तरों से गुजरना पड़ता है। कहीं लंबी कतारें हैं, कहीं विशेष टिकटों की अलग व्यवस्था और प्रभावशाली लोगों के लिए अलग प्रवेश द्वार भी बने होते हैं। इससे आम आदमी के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या ईश्वर तक पहुंचने का रास्ता भी अब आर्थिक और सामाजिक हैसियत से तय होगा?

मंदिरों की व्यवस्था में तकनीक और आधुनिक प्रबंधन का उपयोग स्वागत योग्य है, लेकिन यदि इसका उद्देश्य केवल पैसा बनाना रह जाए और श्रद्धालु का अनुभव बेहतर न हो, तो उसका महत्व कम हो जाता है। धार्मिक स्थल को किसी व्यावसायिक परिसर के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि भगवान के उस घर में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे वह सभी के लिए समानता का केंद्र हो, जहां वीवीआईपी या आम आदमी जैसा कुछ भी न हो।

हालांकि, यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सभी मंदिरों की व्यवस्था ही खराब है। अनेक मंदिर प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अन्नदान और सामाजिक सेवा में उत्तम कार्य भी कर रहे हैं। लाखों लोगों को भोजन, चिकित्सा और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसलिए आलोचना का उद्देश्य मंदिरों को बदनाम करना नहीं है, बल्कि उनका मैनेजमेंट करने वालों को अधिक जिम्मेदार और जवाबदेह बनाना है।

समय की मांग है कि सभी बड़े मंदिरों में पारदर्शी प्रबंधन, नियमित स्वतंत्र ऑडिट, वित्तीय जानकारी का इंटरनेट पर पारदर्शी होना, ठेकों और खरीद प्रक्रियाओं में खुलापन हो। इसके अलावा मंदिरों में वीवीआईपी कल्चर होना ही नहीं चाहिए, क्योंकि भगवान के लिए प्रत्येक भक्त समान है। जब मैनेंजमेंट ठीक होगा, तो भक्तों के लिए भगवान के दर्शन सहज होंगे, और ये उनके लिए मंदिर आने का सुखद अनुभव होगा; अन्यथा मंदिर के प्रशासन के प्रति लोगों की सोच लगातार नकारात्मक होती जाएगी।

No full closure of Srinagar int'l airport this year

Srinagar (Agency): As against the previous decision, authorities said on Saturday that no full closure of Srinagar international airport will take place this year. Taking to social media platform X, Srinagar airport officials said: "Passengers are advised that there will be no full airfield closure at Srinagar Airport this year." "Airport operations will continue on all days with operational/watch hours from 0800 hrs to 1700 hrs. Night closures for runway maintenance will continue until October 2026." "The previously proposed NOTAM regarding full runway closure on Mondays and Tuesdays is being withdrawn. Airlines will continue to update their schedules in accordance with the prevailing operational timings," the airport officials added. "Passengers are requested to check their flight status with their respective airlines before proceeding to the airport and rely only on official channels for authentic updates." It had previously been announced that there would be no flight operation from Srinagar airport on Mondays and Tuesdays and after October 16, the airport would be closed for flight operations for a fortnight because of runway maintenance. It has now been decided that runway maintenance will take place after flight operations end each day till these operations begin the next day. Srinagar Airport handles nearly 60 to 70 commercial flight movements (arrivals and departures combined) on an average day, which translates to about 30 to 35 round-trip flights. However, during peak tourist seasons (especially spring and summer) or peak travel days, this frequency often scales up to 100 or more daily flights. The route between Srinagar and Delhi is the most heavily trafficked, accounting for more than 56 per cent of all weekly departures with 15-20 daily flights. The Srinagar Airport is served by five major domestic airlines: IndiGo, Air India, SpiceJet, Air India Express, and Akasa Air. These airlines offer direct flights to major cities across India.

India's auto demand remains resilient in June: Report

New Delhi (Agency): Auto sector demand in India remained resilient in June, with personal mobility segments continuing to outperform, a report has said. The report from Asit C Mehta Investment Intermediates said easing of supply-side bottlenecks at several OEMs, healthy retail demand and sustained export momentum supported volume growth during June. Export momentum for two- and three-wheelers is also expected to remain supportive, the report added. Two-wheeler YoY retail growth rate accelerated across all players for June, compared to slightly slower traction seen in May 2026, while wholesale growth was mixed across OEMs "June 2026 remained another healthy month for the domestic auto industry, with demand holding up well across all segments despite macro and geopolitical risks and price hikes," the brokerage said. Retail demand was supported by healthy consumer sentiment, while exports maintained strong momentum across most OEMs. "Overall, demand remained resilient despite concerns around fuel prices, inflationary pressures and monsoon uncertainty," it noted. For commercial vehicles, retail traction did not show high growth, but wholesale growth was very strong across OEMs for the month, with improving infrastructure activity, replacement demand and export recovery being major positives. Tractor demand should remain supported through H1FY27 on a favourable base, while monsoon progression and weather risks remain the key variables for H2, the firm forecasted. Three-wheelers continued their broad-based outperformance, with listed OEMs once again growing ahead of industry trends.

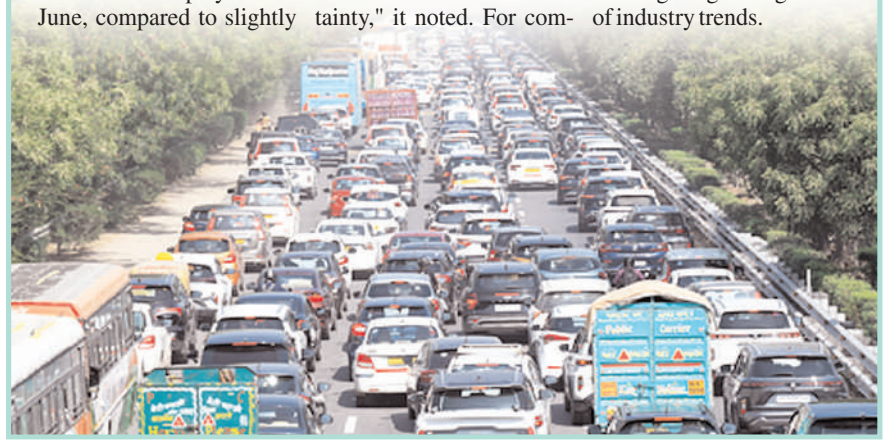

Nifty, Sensex post strong weekly gains over sustained crude price correction

Mumbai : The Indian equity benchmarks posted a fourth consecutive week of gains, over sustained correction in crude oil prices and expectations of a more favourable global interest rate environment. Nifty added 0.89 per cent during the week and edged up 0.39 per cent on the last trading day to reach 24,270. At close, Sensex was up 261 points, or 0.34 per cent, at 77,763. It added 0.86 per cent during the week. The domestic markets shifted from defensive caution at the start of the week to growing optimism by the close. The early week was marked by profit-booking due to scepticism over the durability of the US-Iran peace arrangement, muted expectations ahead of the upcoming earnings season, and a patchy start to the monsoon. "Easing tensions around the Strait of Hormuz weighed on crude oil prices, while dovish commentary from the Fed Chair, coupled with softer US labour market data, reinforced expectations of a more accommodative global interest-rate environment," analysts said. Further, domestic sentiment received an additional boost from optimism surrounding the India-Japan summit, with investors anticipating progress across trade, defence, semiconductors, AI collaboration, and a proposed rupee-yen settlement framework. On the sectoral front, real estate, pharma, and healthcare stocks outperformed, whereas PSU banks and energy counters lagged. The IT sector staged a notable rebound, due to short covering, and a strengthening investment narrative around Indian IT firms' role in

enterprise AI adoption. Broad market indices performed almost in line with benchmark indices, as Nifty Midcap100 added 0.64 per cent, while Nifty Smallcap100 rallied 2.05 per cent during the week. According to analysts, immediate resistance levels for Nifty are placed at the 24,400 level and the 24,200 level is expected to provide immediate support, followed by the 24,000 level. Immediate support for Bank Nifty is placed in the 57,600-57,500 zone, while resistance is seen at 58,200-58,300 zone. Investors remain keen on US FOMC minutes, domestic earnings season, monsoon progress, credit growth trends, and ongoing trade negotiations with Japan, the UK, and the US. "While risks persist amid downward revisions to earnings growth estimates, monsoon-related inflation concerns, and continued FII caution, much of the visible uncertainty appears to be priced in, leaving room for a constructive read on incremental positives," a market participant said.

Gold posts 1st weekly gain since May as US Fed rate hike fears ease

Mumbai : Gold recorded its first weekly gain since May as trader expectations for further US Federal Reserve rate hikes moderated, pushing bullion prices around 3.1 per cent for the week. Soft US job numbers and lower energy prices led to investors reducing the expectations of monetary policy tightening. However, on Friday, MCX gold August futures eased 0.01 per cent while MCX silver July futures inched up 0.04 per cent. Currently, gold futures stand at Rs 1,47,365, while silver futures at Rs 2,37,499 per kg. The price of 10 grams of 24-carat gold was at Rs 1,46,344 on Friday, up from Rs 1,41,911 seen on Monday market opening, according to data published by the India Bullion and Jewellers Association (IBJA). "Gold extended its recovery for the fourth consecutive session and touched a 10-day high on Friday. The rebound comes after more than a month of sustained selling following the May 13 import duty hike, with

improving sentiment supported by a softer US dollar," an analyst said. The analyst said that the recent pullback in the Dollar Index has encouraged fresh buying in bullion, and forecasted that the bullion is expected to trade in the Rs 1,45,000-1,49,000 range, with global cues continuing to drive sentiment. Market participants said softer US labour data and easing energy costs reduced the probability of further Fed tightening. US hiring slowed sharply in June and traders trimmed the probability of a quarter point rate increase at the Fed's next meeting to below 20 per cent, down from roughly one third earlier in the week. Lower energy costs and softer job growth have led analysts to forecast a gradual easing of inflationary pressures in coming months. Oil prices have witnessed their sharpest quarterly correction since 2020 as shipments from Saudi Arabia and the United Arab Emirates near pre-war levels. US President Donald Trump and allies have renewed efforts to clear the way for more of the president's own picks at the Federal Reserve after the Supreme Court blocked an attempt to remove Governor Lisa Cook. Similar efforts last year, challenging Fed's independence, helped fuel gold's rally as investors sought protection against potential policy shifts.

FIIs net seller again this week as institutional flows remain sensitive to range of factors

Mumbai : Foreign institutional investors (FIIs) continued to remain net seller during this week, offloading Rs 4,000 crore based on provisional exchange data. On the other hand, domestic institutional investors (DIIs) were net buyers, purchasing Rs 12,630 crore in the domestic markets. During June, FIIs sold a cumulative Rs 49,030 crore, while DIIs bought Rs 85,800 crore, based on provisional exchange data. During current week, except for Friday, FIIs were net seller in rest of the week, while DIIs remained net buyer for 4 out of the five sessions, except for Friday, said Pabitro Mukherjee, Deputy Vice President-Research, Bajaj Broking. "Benchmark Indices extended its gains for the fourth week in a row amid strong global cues and decline in crude oil prices. Brent Oil prices have fallen to levels not seen since the start of the US-Israel war on Iran," Mukherjee noted. Looking ahead, institutional flows are likely to remain sensitive to a range of key domestic and global developments. Investors will closely track the progress of the monsoon season, given its implications for rural demand, agricultural output, and inflation trends, said analysts.

IRDAI is finally going after the real reason behind insurance mis-selling

New Delhi : India's insurance regulator is planning a significant overhaul of how insurance distributors and agents are paid, in an effort to tackle the persistent problem of mis-selling that has long plagued the sector, reported news agency Reuters. The report cited two sources with knowledge of ongoing discussions between the regulator and the industry, that the Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI) is proposing to shift away from large upfront commission payments to a model where commissions are paid out over the life of a policy. A draft framework could be circulated within the next four to six weeks, according to the report. Under the existing framework, distributors can earn commissions of up to 40 per cent of premiums on some life and health insurance products, with a significant portion of that paid upfront. That structure encourages agents and bancassurance partners to prioritise sales volumes over whether a product is actually suitable for a customer, resulting in mis-selling and customers being pushed into buying policies they do not need or cannot afford. Moving to a model where commissions are spread across the life of a policy would align India with major global markets including the United States, the United Kingdom and Europe. Beyond simply staggering payments, IRDAI is also considering a new pricing model that ties commission rates to the effort involved in selling and servicing a policy. Under this model, an agent who provides face-to-face advisory services, assists with paperwork and helps manage claims would earn a higher commission than a bank that sells a policy to a customer as an add-on product during a loan transaction. Commissions could also be capped depending on the product, its complexity and the length of the policy. Disclosure requirements for agents, brokers and other distributors are also likely to be tightened, bringing greater transparency to how commission and remuneration structures work across the industry. IRDAI chairman Ajay Seth said last week that the regulator was working on a distribution reform consultation paper that could be issued by the end of July. India is one of Asia's largest insurance markets, with gross premium collections exceeding Rs 11.9 lakh crore annually. Yet insurance penetration stood at just 3.7 per cent of GDP in 2024, well below the global average of around 7.2 per cent estimated by Allianz. The government has taken steps to address this gap.

Mergers and acquisitions' deal value in India jumps 31 pc to $86.9 billion

Mumbai : India's mergers and acquisitions' deal value jumped 31 per cent (year on year) to $86.9 billion in the first half of 2026, even as deal volumes eased 8 per cent, highlighting fewer but larger transactions, a report has said. The report from London Stock Exchange Group (LSEG) said momentum was concentrated in Q2 (April-June), which totalled $66.9 billion, more than triple the prior quarter and the highest quarterly total since Q2 2022, driven by a handful of large restructurings, cross-border acquisitions, and domestic consolidation. Healthcare, industrials and financials saw solid activity, while high technology remained active by volume but eased in value. Overall, dealmaking continues to focus on scale, portfolio realignment, and selective outbound expansion into developed markets "Equity capital markets (ECM) activity in India eased to a three-year low during H1

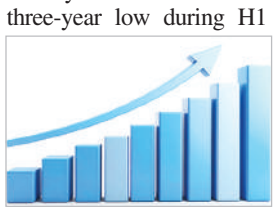

2026, with total ECM proceeds dropping 38 per cent from a year ago to $16.5 billion, alongside a 19 per cent drop in number of issues, reflecting a slower pace of capital raising amid more selective market conditions," said Elaine Tan, Senior Manager, Deals Intelligence, LSEG. Despite softer proceeds in H1 2026 after a strong 2025, IPO volumes remained elevated with over 100 listings, reflecting continued breadth in market activity, and setting the stage for a stronger second half, as marquee IPOs come to market, Tan added.

Centre hikes onion procurement price by 13 pc to Rs 2,125 per quintal

New Delhi : The government on Saturday said it has increased the procurement price of onions by 13 per cent to Rs 2,125 per quintal from Rs 1,875 per quintal, effective from today, thus ensuring better returns for onion farmers and strengthening buffer procurement. The Consumer Affairs Ministry said that procurement of onions through NAFED and NCCF for the government's Price Stabilisation Buffer is in progress.

The revised procurement price will ensure better returns for onion farmers while supporting buffer procurement efforts, said the ministry. Onion production is estimated at 307.37 lakh metric tonnes (LMT) for 2025-26, according to the second advance estimates of the Department of Agriculture & Farmers' Welfare, which is comparable to the production of 307.67 LMT in 2024-25. Going by the production estimates, the overall availability of onions is not a concern at this stage, though prices may be expected to inch up in line with the normal price seasonality, said the ministry. "Current stock levels in Maharashtra, Madhya Pradesh and Gujarat are adequate. At present, there are no indications of any shortage of stored onions," it added.

Moreover, daily mandi arrivals at the all-India level remain robust at over 50,000 metric tonnes (MT), while arrivals in Maharashtra are over 30,000 MT, with average modal prices of about Rs 18 per kg. Better-quality stocks continue to remain in storage and are expected to be released during the lean period. The all-India average retail price is Rs 31 per kg. Onion exports are also

normal, with about 1.50 LMT exported during June. However, traders expect that the pace of onion exports may slow down for a short duration, primarily because fresh crops from Pakistan and China are available at competitive rates in key export destinations such as the Gulf countries, Sri Lanka and the Far East.

While the Nashik region of Maharashtra has reported about a 15-day delay in Kharif sowing, the sowing progress in the Chitradurga and Challakere belt of Karnataka is estimated to be around 60 per cent of normal, according to the government. The delay in monsoon arrival and lower-than-normal rainfall in some regions has led to speculative buying by a section of traders, though there is no significant demand at the prevailing price levels in major consuming centres.

ऑनलाइन डेटिंग कैसे रहें सुरक्षित

अक्सर ही ऑनलाइन डेटिंग के जरिये पहले दोस्ती और फिर धोखे की खबरें भी सुर्खियां बनती हैं. इस क्षेत्र में सुरक्षित रहने के लिए कुछ बातों पर दें विशेष ध्यान

अगर ऑनलाइन साथी की तलाश कर रहे हैं तो विभिन्न सर्च इंजन की सहायता लें. साथ ही, ऑनलाइन फ्रेंड से रीयल लाइफ में मिलने का निर्णय लेते हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि वह जगह पब्लिक प्लेस हो, अगर आप इंटरनेट के जरिए अपने प्यार की तलाश कर रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखें...

क्या आप ऑनलाइन डेटिंग के बारे में सोच रहे हैं? अगर हां, तो जरा संभल के. इसमें थोड़ी सी लापरवाही आपके लिए खतरा भी बन सकती है.

ऑनलाइन डेटिंग मैगजीन के अनुसार, बीस प्रतिशत अमेरिकी ऐसे व्यक्ति के साथ डेटिंग पर बाहर जाते हैं जिनसे वे ऑनलाइन मिले होते हैं, जबकि हर साल ऑनलाइन मिलने वाले लोगों में से 2,80,000 लोग शादी कर लेते हैं.

हालांकि ये आंकड़े विदेश के हैं लेकिन हमारे देश में भी ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज कम नहीं है. भले ही ऑनलाइन डेटिंग के जरिये मनचाहा साथी मिल जाता हो लेकिन इस आभासी दुनिया में छल करने वालों की भी कमी नहीं है.

साइट्स की पहचान

कुछ साइट्स हैं जो यह निर्णय करती हैं कि आप किससे मिलें, जबकि कुछ साइट्स आपको आवश्यक डेट के बारे में सलाह देती हैं. सबसे जरूरी बात आप इन साइट्स की कीमत को जरूर जांच लें. छोटे और क्षेत्रीय साइट्स को भी नजरअंदाज न करें.

ईमानदारी से बनायें प्रोफाइल

ऑनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपनी उम्र, बैकग्राउंड या आदतों के बारे में झूठे बयान देने से बचें. लेकिन अपने बारे में बहुत अधिक जानकारी देने से बचें, चाहे आप अगले व्यक्ति को पहचानते ही क्यों न हों. अच्छी लेकिन अप-टू-डेट फोटो पोस्ट करें, किसी भी तरह की अश्लीलता से बचें.

थोड़ी बेईमानी की उम्मीद

विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन डेटिंग रिलेशन बनाने का बजाय एक तरह से विज्ञापन होता है. यह ऐसा विज्ञापन होता है जो अतिशयो क्तिपूर्ण कथन और झूठ से भरा होता है. दोस्ती करने वाला उनसे उम्मीद करता है कि अगला व्यक्ति अपनी बेस्ट फोटो अपलोड करेगा जबकि वह अपनी कम उम्र की फोटो के साथ ही अपने वजन का भी कई किलो छिपा जाता है.

फॉड से बचें

किसी भी नई तकनीक के समान ही ऑनलाइन डेटिंग के भी कुछ नकारात्मक पहलू हैं. इनमें से सबसे बड़ी बात फ्रॉड की है. बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय सहायता संघ भी वजूद में हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट पर भी मौजूद हैं और अक्सर इस तरह के मैसेज भेज कर दावा करते हैं कि कुछ लोग हैं जो मुसीबत में हैं और उनके पास पैसे नहीं हैं. अगर कोई ऐसी बात करे, खासकर किसी दूसरे देश का व्यक्ति, तो तुरंत उससे नाता तोड़ लें.

तहकीकात करें

परिवार या दोस्त कभी भी आपके संभावित ऑनलाइन डेटिंग की जांच नहीं कर सकते. इसलिए आपको थोड़ा सा जासूसी वाला काम भी करना पड़ेगा. जिससे ऑनलाइन मिले हैं और फिर उस व्यक्ति से वास्तव में मिलने जा रहे हैं तो उनके बारे में थोड़ी जांच-पड़ताल भी करें. इसके लिए मल्टीपल सर्च इंजन का सहारा लें. आपराधिक बैकग्राउंड की भी जांच करें. इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुसार जो वह है, वह सच है.

सार्वजनिक स्थल पर मिलें

वास्तव में, ऑनलाइन फ्रेंड के साथ मिलने की स्थिति आने पर किसी सार्वजनिक स्थल पर भी मिलने का प्रयास करें. साथ ही, आप कहां जा रहे हैं और किससे मिलने जा रहे हैं और कब वापस आएंगे, अगर इसकी सूचना परिवार और मित्रों को देकर जाएंगे तो बेहतर होगा. अपना फोन हाथ में रखें. अगर डेट पर किसी भी तरह की असहजता महसूस करें तुरंत उस जगह को छोड़ दें.

यूं सजाएं अपना आशियाना

घर छोटा हो या बड़ा, चाहत सिर्फ इतनी रहती है कि अपना घर सबसे अलग और सुंदर नजर आए. सूझबूझ से आप भी घर को सुंदर बना सकती हैं.

यदि आप घर को नेचुरल लुक से संवारना चाहती हैं तो उसके लिए फूलों का प्रयोग करें. फूल यदि प्राकृतिक ले सकें तो ठीक, वरना बाजार में मिलने वाले आर्टिफिशल फूलों का प्रयोग करें. कोशिश करें कि एक कमरे में एक से ज्यादा फूलदान ना हों. यदि रखने ही हों तो सबसे पहले सबसे छोटा और सबसे आखिरी में बड़े साइज वाला फूलदान रखें. घर सजाने के लिए कैंडल का प्रयोग भी कर सकती हैं.

फूलों से सजाएं

कैंडल सजाते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि वे विषम संख्या में हों. ड्राइंग रूम बड़ा हो तो चारों कोनों में चार नहीं भी लगा सकें तो कम से कम दो कोनों में हैंगिंग लैंप लगाएं. हालांकि, ड्राइंग रूम में ट्यूब लाइट से परहेज करना बेहतर होता है. ड्राइंग रूम में अगर दो खिड़कियों के बीच लंबा गैप हो तो वहां लंबी तस्वीरों की जगह चौड़ी तस्वीरों का प्रयोग करें. ऐसा करने से कमरा खाली-खाली नहीं लगेगा.

आकर्षक फर्नीचर

ड्राइंग रूम का फर्नीचर सदैव आकर्षक रखें. इसका डिजाइन परंपरागत हो या आधुनिक, लुभावना होना चाहिए. दीवार पर हाथ से सुंदर मोटिफ, बेल या फूल बनाएं. इस सजावट के बाद आपको वॉल पेपर की जरूरत नहीं पड़ेगी. इन दिनों बाजार में सोफा कवर के लिए फ्लोरल फैब्रिक का अधिक चलन है. यह घर को मॉडर्न लुक देता है. कर्लड ग्लासेस और स्टोन का प्रयोग भी कमरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कर सकती हैं. जगह बचाने के लिए कम जगह घेरने वाले फर्नीचर का प्रयोग करें. इसके अलावा आप जैपनीज स्टाइल के बेड का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.

कुशंस से सजाकर नया लुक

अगर जगह कम हो तो ड्राइंग रूम में कॉम्पैक्ट स्टूल बेड या चेयर बेड का इस्तेमाल करें. इन दिनों सोफा कम बेड कई शेप में आ रहे हैं. अपने बजट और आवश्यकता के हिसाब से इनका चयन करें. साधारण सोफा सेट को कलरफुल कुशंस से सजाकर नया लुक दिया जा सकता है. मॉडर्न और ओल्ड वर्जन का फ्यूजन करने में संकोच न करें. इसके लिए पुराने जमाने के टेलीफोन या ग्रामोफोन भी सजावट के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं. गिंग लाइट्स या फ्लोर स्टैंडिंग, स्टैंर्डड लैंप जैसी डेकोरेटिव लाइट्स के प्रयोग घर छोटा हो या बड़ा, चाहत सिर्फ इतनी रहती है कि अपना घर सबसे अलग और सुंदर नजर आए. सूझबूझ से आप भी घर को सुंदर बना सकती हैं.

घर को स्टाइलिश लुक देने के लिए अपने बजट के अनुसार हल्की-फुल्की एक्से सरीज खरीदें, जैसे-ग्लास पीसेस, फ्लावर पॉट वगैरह. पर्दों के लिए सिल्क के कपड़ों में स्ट्राइप्ड या वर्टीकल स्ट्राइप डिजाइन किए गए फैब्रिक का प्रयोग बेहतर होगा. कमरे को बड़ा लुक देने के लिए छोटे पैटर्न और डिजाइन वाले कालीन का प्रयोग करें. घर के फर्नीचर से लेकर कमरे के साज-सामान तक के लिए गहरी लाइन वाले फैब्रिक चुनें. इस तरह थोड़ी-सी समझदारी और सूझबूझ से आप कम बजट में भी घर को नया और आधुनिक रूप दे सकती हैं.

बढ़ती उम्र की महिलाओं का हेल्दी डाइट

हॉट फ्लैश मीनोपॉज का संकेत देने वाला मुख्य लक्षण है. इसे हेल्दी डाइट के जरिये नियंत्रित भी किया जा सकता है.

आमतौर पर मीनोपॉज से पूर्व महिलाएं हॉट फ्लैश का सामना करती हैं, जो सामान्य बात है. डॉक्टरों के अनुसार, हॉट फ्लैश मीनोपॉज का संकेत देने वाला मुख्य लक्षण है. मीनोपॉज से पहले हॉट फ्लैश का अनुभव करना इसलिए भी बहुत सामान्य बात है क्योंकि इस दौरान शरीर का हार्मोनल स्तर फ्लक्चुऐट यानी ऊपर-नीचे होता रहता है.

अक्सर यही फ्लक्चुएशन हॉट फ्लैशेज का कारण बनता है. हॉट फ्लैशेज में अचानक ही कुछ सेकेंड्स के लिए बहुत तेज गर्मी का अहसास होता है. हालांकि यह सच है कि मीनोपॉज के निकट पहुंच चुकी महिलाओं के लिए हॉट फ्लैशेज सामान्य बात है लेकिन इसे हेल्दी डाइट के जरिये नियंत्रित भी किया जा सकता है. कुछ प्राकृतिक खाद्य पदार्थ हैं जिनसे हॉट फ्लैश की गर्मी से काफी हद तक बच सकती हैं.

हाई फाइबर फूड्स की जरूरत

रेशों से भरपूर खाद्य पदार्थ हॉट फ्लैशेज से बचने का बेहतर उपाय है कि आप अपनी डाइट में हाई फाइबर फूड्स को शामिल करें. ऐसा इसलिए क्योंकि शरीर के ब्लड शुगर को मेंटेन रखने के लिए रेशों से भरपूर खाद्य पदार्थ उपयोगी होते हैं. इसलिए यह हॉट फ्लैशेज को कम करने में सहायक होता है. हाई फाइबर खाद्य पदार्थों में साबुत अनाज, ब्रोकली, सेब, अमरूद, गाजर आदि शामिल होते हैं. फलियों में आप बीन्स, मसूर और मटर को चुन सकती है. रेशेदार भोजन न केवल हॉट फ्लैशेज की समस्या को कम करता है बल्कि इस तरह का भोजन वजन को नियंत्रित रखने के साथ ही पाचन क्रिया को भी मजबूत बनाता है.

फ्लैक्सीड (अलसी के बीज)

हॉट फ्लैशेज से बचने के लिए फ्लैक्सीड के साथ ही फ्लैक्सीड ऑयल को भोजन में शामिल करना बेहतर होगा. फ्लैक्सीड में महत्वपूर्ण तत्व जै से आइसो फ्लेवोनेस, फाइडोएस्ट्रोजेन्स आदि पाये जाते हैं जो महिलाओं के हार्मोन्स के फ्लक्चुएशन को रिस्टोर करते हैं जिससे यह हॉट फ्लैशेज और दूसरी समस्याओं के होने की संभावना को कम करता है.

फ्लैक्सीड से कई अन्य फायदे भी होते हैं जैसे इसके सेवन से वजन कम होता है. साथ ही, यह हृदय रोग और कैंसर होने से बचाता है. इसके बेहतर परिणाम के लिए इस सुपर फूड का 2/3 कप अपनी डाइट प्लान में शामिल करें. हालांकि सुरक्षित रहने के लिए इस खाद्य पदार्थ को अपने भोजन में शामिल करने से पहले डॉक्टर से सलाह भी ले सकती हैं.

सोयाबीन

मीनोपॉज की उम्र में पहुंच चुकी महिलाओं को अपने भोजन में सोया शामिल करना बहुत जरूरी है. ऐसा इसलिए क्योंकि सोया में ऐसा तत्व पाया जाता है जो एस्ट्रोजन हार्मोन सरीखा काम करता है.

सोया खाने से आप हॉट फ्लैशेज और मीनोपॉज से जुड़ी अन्य समस्याओं से राहत पा सकती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रतिदिन के भोजन में 25 ग्राम सोया से भरपूर आहार शामिल किया जाए तो मीनोपॉजल लक्षण को कम किया जा सकता है. खासतौर से, हॉट फ्लैशेज तो तीस प्रतिशत तक कम हो सकता है.

मछली/मीट/अंडे

जीवन के इस दौर में प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे मछली, अंडे या मीट से भरपूर डाइट हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखने में अत्यधिक मददगार साबित होते हैं. अगर आप वेजीटेरियन हैं तो प्लांट बेस्ड प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकती हैं. इनमें मेवे, दही और फलियां शामिल हैं.

भारत के खिलाफ वन डे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान

- कोल्स को पहली बार मौका, आर्चर, बटलर, जो रूट समेत 16 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ इस महीने खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली टीम में पहली बार अनकैप्ड ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को मौका मिला है। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद की वापसी हुई है। अनुभवी खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर, जोस बटलर और जो रूट भी भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे की सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

जेम्स कोल्स को पहली बार मिला मौका- 24 वर्षीय ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को पहली बार इंग्लैंड की वनडे टीम में शामिल किया गया है। ससेक्स के लिए घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का उन्हें इनाम मिला है। वह बल्लेबाजी के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। इससे इंग्लैंड को टीम संयोजन में अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

जोश टंग भी वनडे डेब्यू के इंतजार में

तेज गेंदबाज जोश टंग को भी टीम में जगह मिली है। हालांकि वह अब तक इंग्लैंड के लिए वनडे क्रिकेट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं। ऐसे में भारत के खिलाफ सीरीज में उन्हें अपना पहला ODI खेलने का मौका मिल सकता है।

एटकिंसन और साकिब महमूद की वापसी- इंग्लैंड ने तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में बुलाया है। दोनों गेंदबाज चोट से उबरने के बाद फिर से चयनकर्ताओं का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं। इनके आने से इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी और मजबूत नजर आ रही है।

स्टार खिलाड़ियों से सजी इंग्लैंड की टीम- हैरी ब्रूक की अगुआई वाली टीम में कई अनुभवी और स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। जोफ्रा आर्चर अपनी रफ्तार से भारतीय बल्लेबाजों के लिए चुनौती पेश करेंगे, जबकि पूर्व कप्तान जोस बटलर और अनुभवी बल्लेबाज जो रूट मध्यक्रम को मजबूती देंगे। इसके अलावा जैकब बेथेल, बेन डकेट, विल जैक्स, सैम करन, आदिल रशीद और टॉम बैंटन जैसे खिलाड़ी भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

इंग्लैंड का वनडे स्क्वाड

हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल रशीद, जो रूट, जोश टंग।

सीरीज का कार्यक्रम

पहला वनडे : 14 जुलाई, एजबेस्टन (बर्मिंघम)
दूसरा वनडे : 16 जुलाई, सोफिया गार्डंस (कार्डिफ)
तीसरा वनडे : 19 जुलाई, लॉर्ड्स (लंदन)

वैभव सूर्यवंशी की हर तरफ चर्चा

5 साल से डब्यू का इंतजार, घरेलू क्रिकेट में बना चुके 13 हजार से ज्यादा रन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में इन दिनों चर्चा का सबसे बड़ा विषय हैं वैभव सूर्यवंशी। 15 साल के इस क्रिकेटर के इंटरनेशनल डेब्यू की हर तरफ से आवाज उठ रही है। मगर इसी बीच एक ऐसे खिलाड़ी का नाम भी भारतीय क्रिकेट फैंस के जहन में होगा जो पिछले पांच साल से अपने टेस्ट डेब्यू का इंतजार कर रहा है। वैभव सूर्यवंशी को पहली बार टीम इंडिया में चुने गए अभी एक महीना हुआ है लेकिन इस खिलाड़ी को 5 साल से इंतजार हैं।

हम बात कर रहे हैं घरेलू क्रिकेट में 13 हजार से ज्यादा कुल रन बना चुके अभिमन्यू ईश्वरन की। उन्हें 2021 में पहली बार भारतीय टीम में चुना गया था। उसके बाद से लगातार कई सीरीज में वह टेस्ट टीम के स्क्वाड में चुने गए, मगर आज तक उनका डेब्यू नहीं हो पाया है।

उलटफेर से बचा अर्जेंटीना

केप वर्डे के आत्मघाती गोल से अंतिम-16 में पहुंची मेसी की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शनिवार (4 जून) को मियामी में केप वर्डे के खिलाफ अर्जेंटीना उलटफेर से बाल-बाल बच गया। केप वर्डे के डाइनी बोर्गेस ने आत्मघाती गोल किया, जिससे डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की राउंड ऑफ 16 यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो गई। 5 लाख अबादी आइलैंड देश केप वर्डे ने पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन लियोनेल मेसी की टीम की किस्मत अच्छी रही की आत्मघाती गोल हुआ और केप वर्डे का सफर समाप्त हो गया। अर्जेंटीना अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए मिस्र का सामना होगा। इससे पहले मेसी ने 29वें मिनट में अपने करियर का रिकॉर्ड 20वां वर्ल्ड कप गोल करके मौजूदा चैंपियन को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। यह इस वर्ल्ड कप में मेसी का 7वां गोल था, जिससे वह गोल्डन बूट की रेस में किलियन एम्बाप्पे से आगे निकल गए। उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप में पिछले 8 मैचों में गोल किया है।

रोमेरो का 111वें मिनट में गोल

पहले हाफ तक अर्जेंटीना आगे रहा, लेकिन केप वर्डे के डेरॉय डुआर्टे ने 59वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था। 90 मिनट के बाद मुकाबला 1-1 की बराबरी पर था। एक्स्ट्रा टाइम में अर्जेंटीना के लिसेंड्रो मार्टिनेज ने 92वें मिनट में गोल किया। इसके कुछ ही समय बाद केप वर्डे के सिडनी लोपेस कैब्राल ने 103वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। केप वर्डे के डाइनी बोर्गेस ने 111वें मिनट में आत्मघाती गोल किया। इससे अर्जेंटीन 3-2 से मैच जीत दिलाकर आखिरी 16 में पहुंचा दिया।

मेसी फीफा वर्ल्ड कप में 30 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने

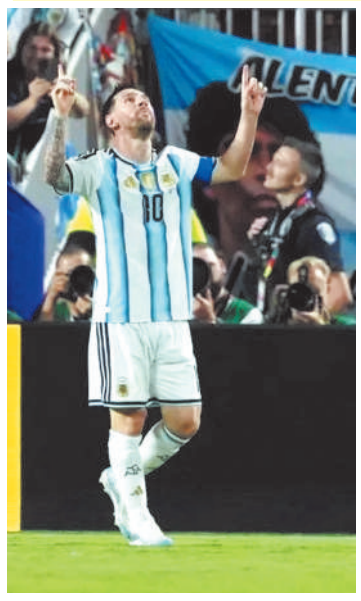

सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड भी उनके नाम

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बेहतरीन फुटबॉलरों में से एक लियोनेल मेसी ने शुक्रवार यानी 4 जुलाई को इतिहास रच दिया। वे फीफा वर्ल्ड कप में 30 मैच खेलने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए। मियामी में केप वर्डे के खिलाफ अर्जेंटीना का मैच मेसी का 30वां फीफा वर्ल्ड कप मैच था। इस मैच में मेसी ने एक गोल किया और वो फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। मेसी के अलावा फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी ने 30 या उससे ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। मेसी ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के इस सीजन में अब तक अपनी टीम के लिए कुल 7 गोल किए हैं और इंटरमिलान के लौटारो मार्टिनेज के साथ मिलकर तीन बार की चैंपियन टीम के अटैक की कमान संभाल रहे हैं। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ एक गोल किया और उन्होंने साल 2022 में अपने बनाए रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मेसी ने उस सीजन में 7 गोल किए थे जबकि साल 2026 में भी उन्होंने अब तक कुल 7 गोल किए हैं। मेसी फीफा विश्व कप के दो सीजन में 7-7 गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी भी बने।

आत्मघाती गोल के बाद भी मिस्र जीता

- 92 साल का इंतजार खत्म, सालाह के छलके आंसू

नई दिल्ली। होसाम अब्दुलमागुद के शूटआउट में निर्णायक गोल के दम पर पहली बार फीफा विश्व कप नॉकआउट मुकाबला खेलते हुए आत्मघाती गोल के बाद भी मिस्र ने ऑस्ट्रेलिया के पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा दिया जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। इसके साथ ही उसका 92 साल का इंतजार खत्म हो गया। वह पहली बार 1932 में विश्व कप खेला था और पहली बार राउंड ऑफ-16

में पहुंचा। जीत के बाद मिस्र ने चौथी बार विश्व कप खेलते हुए यह जीत दर्ज की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया नॉकआउट में तीन में से एक भी बार जीत नहीं सका है। अब मिस्र का सामना मंगलवार (7 जून) को गत चैम्पियन अर्जेंटीना से होगा जिसने केप वर्डे को अतिरिक्त समय में 3 .2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई है।

- **मांसपेशी की चोट के बावजूद सालाह खेले-** शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटार का निशाना चूका और 18 वर्ष के लुकास हेरिंगटन का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। मिस्र के लिये होसाम के अलावा महमूद साबिर, रामी राबिया और लिवरपूल के पूर्व स्टार मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। मांसपेशी की चोट के बावजूद सालाह ने यह मैच खेला। आस्ट्रेलिया के लिये शूटआउट में जैकसन इरविन और अवेर माबिल ने गोल किये।

समय के साथ बदल रही हैं टीवी की कहानियां, अब मनोरंजन के साथ समाज को जागरूक करना भी जरूरी

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने नए सीरियल 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरियल में वह एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो ऑटिज्म से जुड़ी चुनौतियों के बीच अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करती है। इसी बीच ईशा सिंह ने टेलीविजन की बदलती कहानियों, दर्शकों की नई पसंद और समाज से जुड़े विषयों पर अपनी राय पेश की। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल मनोरंजन करना ही काफी नहीं है, बल्कि शो के जरिए लोगों को जागरूक करना भी उतना ही जरूरी हो गया है। आईएएनएस से बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, ''समय के साथ टीवी की दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले जहां सीरियल्स में केवल पारिवारिक रिश्तों और मनोरंजन पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, वहीं अब ऐसे विषयों को भी जगह मिल रही है जो समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आज के दर्शक पहले से ज्यादा जागरूक हैं और वे ऐसी कहानियां देखना पसंद करते हैं, जिनसे उन्हें कुछ नया सीखने को मिले। यही वजह है कि निर्माता और लेखक भी अब ऐसे विषय चुन रहे हैं जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करें।''

उन्होंने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी टेलीविजन की कहानियों को नई दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रही है। अब वही शो ज्यादा पसंद किए जाते हैं, जिनमें मनोरंजन के साथ मैसेज भी हो। आखिरकार टीवी पर वही दिखाया जाता है जिसे दर्शक देखना चाहते हैं। अगर लोगों की पसंद बदलती है तो कार्यक्रमों की कहानियां भी बदलना स्वाभाविक है, इसलिए आज ऐसे विषयों पर काम किया जा रहा है जो समाज के अलग-अलग वर्गों से जुड़े हों और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ा सकें।'' ईशा ने कहा, ''टीवी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को सही दिशा दिखाने का एक जरिया भी है। अगर किसी शो के जरिए लोगों को किसी सामाजिक विषय के बारे में जानकारी मिलती है।

सब कुछ होने के बाद भी नहीं मिला मौका! रवि किशन ने याद किए संघर्ष के दिन

एक्टर और नेता रवि किशन आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने लंबा और मुश्किल सफर तय किया है। हाल ही में उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि 90 के दशक में जब बाकी लोग स्टार बन रहे थे, तब उन्हें लगातार रिजेक्शन का सामना करना पड़ रहा था।

रवि किशन इन दिनों रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आ रहे हैं, जिसमें वह अपनी बेटी रिव्वा किशन के साथ शामिल हुए हैं। इस शो को कुणाल खेमू होस्ट कर रहे हैं और यह हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है। शो के पहले एपिसोड में रवि किशन ने अपने संघर्ष की कहानी शेयर की। उन्होंने बताया कि वह पूरी तरह से तैयार थे, फिर भी उन्हें काम नहीं मिल रहा था। रवि किशन ने कहा, 'पहले लोग मुझे रिजेक्ट कर देते थे। 90 के दशक में मैं देख रहा था कि लोग स्टार बनते जा रहे हैं। मेरी आवाज अच्छी थी, मैं पूरी तरह ट्रेंड था- घुड़सवारी, फाइट, उर्दू, हिंदी, थिएटर, डांस... सब कुछ आता था। लेकिन इसके बावजूद मैं पीछे रह गया और बाकी लोग आगे निकल गए।' रवि किशन ने आगे कहा, 'मुझे लगता था कि जब उनका समय आया है, तो मेरा भी आएगा। लेकिन ये नहीं पता था कि मेरा समय 34 साल बाद आएगा।

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' एक तरह से इंकलाब है

शेखर सुमन इस वक्त अपने शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो गर्दा उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, 'हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे है? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहा उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।'

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और 'मूवर्स ऐंड शेखर्स' के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर वह बताते हैं, 'हर चीज का एक वक्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक 'साहिर अमृता' के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थीं तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।'

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' यह शो से परे है

'मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूं। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूं। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आजादी के साथ बोल सकें।'

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, 'मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूं क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म 'हार्टलेस' डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकौल शेखर, 'एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।'

अध्ययन 19 की उम्र में स्टार बन जाता तो भटक जाता

'वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में प्रलय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।'

मुंबई-गुजरात में मानसून का कहर

राजस्थान-हिमाचल में खूब बरसे बादल

मुंबई, अहमदाबाद, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के साथ ही शुक्रवार को राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में जमकर वर्षा हुई, लेकिन उत्तर प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ता दिखा।

राज्य के 50 से अधिक जिलों में छिटपुट वर्षा हुई है। वज्रपात की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य झुलस गए। आज दिल्ली एनसीआर में बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में भी वर्षाजनित हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। प्रेट्र के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार 'अल नीनो' प्रभाव के कारण देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश और 'संभावित सूखे की स्थिति' से उत्पन्न हालात पर लगातार नजर रख रही है।

गुजरात के राजकोट और सूरत में बारिश के कारण जलभराव

कृषि और अन्य संबंधित मंत्रालयों को 'सतर्क' रहने का निर्देश दिया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तरी-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से उत्तर प्रदेश में मानसून की रफ्तार धीमी हुई है। गुजरात के राजकोट और सूरत में बारिश के कारण जलभराव हो गया। लखनऊ समेत 50 से अधिक जिलों में अगले तीन दिन तक केवल छिटपुट बारिश, धूप और उमसभरी गर्मी का असर रहने की संभावना है। छह जुलाई से मानसून के दोबारा सक्रिय होने और सात व आठ जुलाई को प्रदेशभर में अच्छी बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को सबसे अधिक 99.8 मिमी वर्षा कानपुर में रिकॉर्ड की गई। इससे कई इलाकों में जलभराव के कारण करीब सात घंटे तक यातायात बाधित रहा। दुकानों और कार्यालयों में पानी भर गया। एक चार मंजिला अपार्टमेंट के बेसमेंट में पानी भरने से जमीन धंस गई और इमारत टेढ़ी हो गई। 80 फीट रोड सहित कई सड़कों पर धंसाव हुआ, पेड़ उखड़ गए और फूलबाग में आर्डिनेंस फैक्ट्री की दीवार भी गिर गई।

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भरा पानी

राजस्थान में करीब एक सप्ताह की देरी से पहुंचे मानसून ने गुरुवार रात से शुक्रवार तक जोरदार दस्तक दी। 22 जिलों में जमकर वर्षा हुई। भीलवाड़ा, बांसवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में करीब ढाई इंच वर्षा दर्ज की गई। डूंगरपुर में आकाशीय बिजली गिरने से दो सगे भाई झुलस गए, जिनमें से एक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में भी बारिश का पानी ट्रामा सेंटर और माइनर ऑपरेशन थिएटर में भर गया। जलभराव के कारण माइनर ओटी के मरीजों को दूसरे वार्ड में स्थानांतरित करना पड़ा। लगातार बारिश से दिन के तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

मुंबई में पांच घंटे में 70 मिमी से अधिक बारिश

मुंबई में शुक्रवार को लगातार बारिश जारी रही। शहर के कई क्षेत्रों में केवल पांच घंटे में 70 मिलीमीटर (मिमी) से अधिक वर्षा दर्ज की गई।

पीएम का फर्जी वीडियो अपलोड़ करने वाले पर मुकदमा दर्ज

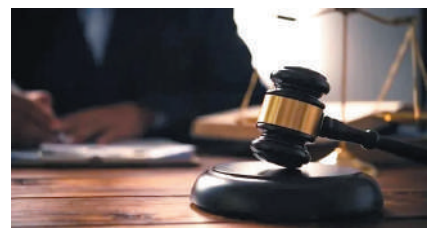

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एआइ जनरेटेड वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड़ किया गया है। इस मामले में जयपुर के भाजपा प्रवक्ता और वकील खेमचंद शर्मा ने मुहाना पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। शर्मा का आरोप है कि फेसबुक पर जयपुर के कार्तिकेय भारद्वाज नाम के व्यक्ति ने पीएम मोदी का एआइ जनरेटेड वीडियो अपने अकाउंट पर पोस्ट किया है। यह वीडियो प्रधानमंत्री पद की गरिमा के विपरीत है। यह वीडियो लोगों की भावनाओं को आहत करने वाला है। यह सैंवधानिक पद पर बैठे पीएम के खिलाफ अविश्वास की भावना पैदा करता है। इसके माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित देश के नेता की छवि धूमिल की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सरकार का बड़ा फैसला

सरकारी विभागों में वर्क फ्रॉम होम खत्म, नया टाइम-टेबल लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली सरकार ने सरकारी कार्यालयों में लागू विशेष व्यवस्थाओं को समाप्त करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार और शनिवार को लागू वर्क फ्राम होम व्यवस्था वापस लेने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के कार्यालयों के कार्य समय में भी संशोधन किया गया है।

देखें नया टाइम-टेबल

अब सरकारी दफ्तर सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक संचालित होंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों के लिए पहले से लागू समय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक ही रहेगा और इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार का कहना है कि सुरक्षा स्थिति सामान्य होने और प्रशासनिक कार्यों को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। नए आदेश लागू होने के बाद सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालयों में उपस्थित होकर कार्य करेंगे।

अब घर बैठे करें आवेदन, 60 दिनों में मिलेगी सब्सिडी की राशि

- दिल्ली सरकार ने ईवी पोर्टल किया लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी का लाभ हर दिल्लीवासी तक पहुंचाने के लिए आज आधिकारिक पोर्टलका शुभारंभ किया। इस मौके पर दिल्ली कैबिनेट मंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब नागरिकों को सब्सिडी और अन्य प्रोत्साहनों का लाभ लेने के लिए घर बैठे आसानी से आवेदन करने की सुविधा मिल गई है। नए पोर्टल के माध्यम से लोग ईवी सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकते हैं, रियल-टाइम ट्रैकिंग कर सकते हैं और सत्यापन पूरा होने के बाद अधिकतम 60 दिनों के अंदर प्रोत्साहन राशि सीधे अपने बैंक खाते में के जरिए प्राप्त कर सकेंगे।

दिल्ली में सरकारी जमीन पर पार्किंग माफिया का कब्जा

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार में अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाकर दिल्ली नगर निगम के आरपी सेल के अधिकारियों को बेनकाब किया। किस तरह से पार्किंग माफिया के साथ मिलकर सरकारी जमीनों पर अवैध पार्किंग करवाकर वसूली का खेल चल रहा था। माफिया ने न्यू उस्मानपुर थाने के पास डीएम कार्यालय की जमीन पर भी करीब एक वर्ष से कब्जा किया हुआ था। डीएम अजय कुमार ने सख्त तेवर दिखाते हुए निगम से जमीन को खाली करवाया।

- **कुछ वाहनों को निगम ने जब्त किया-** उस्मानपुर थाने के पास डीएम का कार्यालय बनना प्रस्तावित है। एक हजार गज से अधिक जमीन यहां खाली पड़ी हुई है। डीएम की टीम अपनी जमीन पर पहुंची। निगम व यातायात पुलिस को मौके पर बुलवाया। जमीन पर अवैध पार्किंग धड़ल्ले से चलती हुई मिली। यहां करीब सौ से अधिक वाहन खड़े हुए थे। डीएम की टीम ने वाहनों के पहियों की हवा निकाली। यातायात पुलिस ने 92 वाहनों के चालान किए। कुछ वाहनों को निगम ने जब्त किया।
- **निगम पर उठ रहे सवाल-** शास्त्री पार्क, न्यू उस्मानपुर पांचवा पुश्ता, शास्त्री पार्क ठेके के पास, खजूरी फ्लाईओवर के नीचे पीडब्ल्यूडी, डीडीए की जमीनों पर

धड़ल्ले से अवैध पार्किंग चल रही है। डीएम कार्यालय की जमीन पर कार्रवाई होने के बाद सवाल उठ रहे हैं आखिर इन विभागों की सरकारी जमीनों को निगम कब खाली करवाएगा। पार्किंग माफिया पर कार्रवाई कब होगी। शास्त्री पार्क में नाले के ऊपर अवैध पार्किंग चल रही है, आरोप है बिजली भी चोरी हो रही है। इस मामले में निगम की आरपी सेल उपायुक्त कनिका सिंह से बात करने की कोशिश की गई लेकिन कोई जवाब नहीं दिया।

सरकारी जमीन पर दोबारा पार्किंग न हो जाए

कार्रवाई की पूरी मॉनिटरिंग डीएम ने खुद की। डीएम के सख्त संदेश थे अगर उनके कार्यालय के कर्मचारियों ने जरा भी गड़बड़ की तो उनकी नौकरी जा सकती है। प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि प्रशासन ने न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस को एफआइआर दर्ज करने के लिए कहा तो पुलिस ने कानून का पाठ पड़ा दिया। कहा माफिया के खिलाफ अगर एफआईआर दर्ज होगी तो यहां खड़े वाहनों को जब्त करना होगा, सभी केस प्रापर्टी हो जाएंगे। प्रशासन ने पुलिस को चेताया है कि सरकारी जमीन पर दोबारा पार्किंग न हो जाए।

भीषण गर्मी के बावजूद भी नहीं रुकेगा जश्न, ट्रंप देंगे संबोधन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका अपने 250वें स्वतंत्रता दिवस का ऐतिहासिक जश्न मना रहा है। हालांकि वॉशिंगटन और पूर्वी अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण गर्मी को देखते हुए कार्यक्रमों के समय में बदलाव किया गया है। इसके बावजूद सैल्यूट टू अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का संबोधन, सैन्य प्रदर्शन और भव्य आतिशबाजी तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। वहीं, ट्रंप ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्यापर देशवासियों को संदेश देते हुए अमेरिका के इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर भी जोर दिया।

आयोजकों ने बताया कि वॉशिंगटन में सक्रिय हीट एडवाइजरी को देखते हुए सैल्यूट टू अमेरिका समारोह के कार्यक्रमों में बदलाव किया गया है। इसका मकसद लोगों को अत्यधिक गर्मी से बचाना है। ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर और फीफा फैन जोन अब दोपहर 12 बजे से खुलेंगे और कार्यक्रम समाप्त होने तक खुले रहेंगे। वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट परिसर को भी पहले की तुलना में देर से खोला जाएगा ताकि लोगों को लंबे समय तक धूप में इंतजार न करना पड़े। आयोजकों ने साफ कहा कि समारोह जारी रहेगा, लेकिन लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। पूरे आयोजन स्थल पर मुफ्त पेयजल वितरण केंद्र बनाए गए हैं। पानी भरने (रिफिल) के स्टेशन लगाए गए हैं। लोगों को गर्मी से बचाने के लिए कूलिंग टेंट तैयार किए गए हैं। वातानुकूलित (एयर कंडीशंड) बसों की व्यवस्था की गई है। 15 एयर कंडीशंड मंडप बनाए गए हैं, जहां लोग आराम कर सकेंगे। अतिरिक्त मेडिकल टीम और चिकित्सा सहायता तैनात की गई है। धुंध वाले कूलिंग क्षेत्र (मिस्टिंग एरिया) और

छायादार विश्राम स्थल बनाए गए हैं। प्रवेश को आसान बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा जांच व्यवस्था की गई है। लोगों से हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने और पर्याप्त पानी पीने की अपील की गई है। समय-समय पर छांव या ठंडी जगह पर आराम करने की सलाह दी गई है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष इंतजाम। गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को खास सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में क्या होगा खास? नेशनल मॉल के ऊपर सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों का प्रदर्शन शुरू होगा। नासा के विमान भी हवाई प्रदर्शन का हिस्सा होंगे। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेगा। अमेरिकी सेना के हेलीकॉप्टर, वायुसेना के लड़ाकू और बमवर्षक विमान उड़ान भरेंगे। मरीन कॉर्प्स और अमेरिकी नौसेना के विमान भी हिस्सा लेंगे। मशहूर एरोबेटिक टीम ब्लू एंजेल्स और थंडरबर्ड्स प्रदर्शन करेंगी। एफ-22 रैप्टर, बी-1 बमवर्षक और एयर फोर्स वन भी फ्लाईपास्ट में शामिल होंगे। सैल्यूट टू अमेरिका' का मुख्य कार्यक्रम शुरू होगा।

नेतन्याहू के निशाने पर थे ईरानी वार्ताकार? न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर आ गया इस्राइल का बयान

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिका को आशंका थी कि इस्राइल ईरान के वरिष्ठ वार्ताकारों को निशाना बना सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस रिपोर्ट को फेक न्यूज और हकीकत से पूरी तरह अलग बताते हुए कहा कि इसमें किए गए दावे वास्तविकता पर आधारित नहीं हैं। इस बयान के बाद एक बार फिर मध्य पूर्व की कूटनीतिक हलचल और इस्राइल-ईरान संबंध चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। मामला उस रिपोर्ट से जुड़ा है, जिसमें दावा किया गया कि इस साल इस्लामाबाद वार्ता के दौरान अमेरिकी अधिकारियों को यह आशंका थी कि इस्राइल ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि 8 अप्रैल के युद्धविराम के बाद के हफ्तों में इस्राइल ऐसी योजना पर विचार कर सकता था। इसी आशंका के चलते अमेरिका ने कथित तौर पर क्षेत्र के कुछ देशों के माध्यम से तेहरान तक अप्रत्यक्ष संदेश पहुंचाया, ताकि ईरानी नेतृत्व को संभावित खतरे से आगाह किया जा सके। हालांकि रिपोर्ट में इन दावों को अधिकारियों के हवाले से पेश किया गया था। इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट पूरी तरह झूठी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा, 'हमेशा की तरह ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित ताजा खबर फेक न्यूज है। यह वास्तविकता की पूरी तरह मनगढ़त कहानी है।'

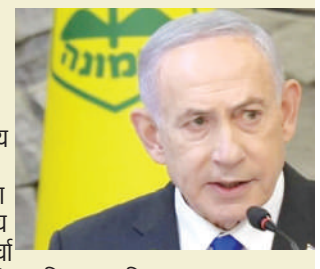

बच्ची को गोद लेकर आस्ट्रेलिया ले जाना चाहते थे माता-पिता

अटक गया था एनओस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने आस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय मूल (ओसीआई) के एक दंपती को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) को उनकी गोद ली हुई बच्ची के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने का निर्देश दिया है। यह एनओसी मिलने के बाद बच्ची के आस्ट्रेलिया जाने और वहां उसकी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने का रास्ता साफ हो जाएगा।

मामला यह था कि दंपती ने भारत में हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम (एचएएमए) के तहत बच्ची को गोद लिया था। लेकिन जब उन्होंने सीएआरए से एनओसी मांगा तो प्राधिकरण ने यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि विदेश में रहने वाले दंपती के दत्तक ग्रहण के लिए निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं की गई और आस्ट्रेलियाई सरकार का जरूरी प्रायोजन पत्र नहीं दिया गया। दंपती ने हाई कोर्ट को बताया कि आस्ट्रेलिया, भारत में एचएएमए के तहत हुए ऐसे दत्तक ग्रहण को अलग श्रेणी का मामला मानता है। इसलिए वहां की सरकार इस तरह का स्पान्सरशिप लेटर जारी ही नहीं करती। ऐसे में सीएआरए की बताई शर्त पूरी करना उनके लिए संभव नहीं था।

मैं अपने बारे में लिखी रोचक खबर पढ़ता हूं, ट्रंप ने बताया कैसे बिताते हैं व्हाइट हाउस में समय?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वैंस के पॉडकास्ट में शामिल हुए। यहां वे अपने शरीर और व्हाइट हाउस में अपना समय कैसे बिता रहे है। इसके बारे में बताया। ट्रंप ने वैंस के 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' पॉडकास्ट में भाग लिय। जिसे शुक्रवार को ऑनलाइन पोस्ट किया गया था। इस दौरान राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन की बच्चों की किताब 'प्रेसिडेंट्स प्ले!' पढ़ी, जिसमें राष्ट्रपतियों को खेल का आनंद लेते हुए और व्हाइट हाउस और उसके मैदानों का मनोरंजन के लिए उपयोग करते हुए दर्शाया गया है। वहीं, जब वैंस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें मनोरंजन के लिए पढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे ज्यादातर अखबार ही पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आमतौर पर अपने बारे में लिखी गई कहानियां पढ़ता हूं।' जैसे ही ट्रंप बच्चों की किताब के पन्ने पलट रहे थे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपतियों के बारे में टिप्पणियां कीं। कुछ चुटकुले सुनाए और व्हाइट हाउस परिसर में बन रहे अपने विशाल भोज कक्ष का प्रचार भी किया। उन्होंने लिंडन जॉनसन को कठोर व्यक्तित्व, रोनाल्ड रीगन को उच्च गुणों वाला व्यक्ति और आपके पिता की तरह राष्ट्रपति बताया। वहीं, जॉन एफ. कैनेडी को दूसरे सबसे आकर्षक राष्ट्रपति के रूप में वर्णित किया। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनके अनुसार सबसे आकर्षक राष्ट्रपति कौन था। रिचर्ड निक्सन, जो वाटरगेट कांड में फंसने के बाद पद से इस्तीफा देने वाले एकमात्र राष्ट्रपति थे, 'शायद खुद ही मुसीबत में फंस गए थे।' महामंदी के दौरान राष्ट्रपति रहे हर्बर्ट हूवर को पुस्तक में 'हूवर बॉल' नामक एक खेल खेलते हुए दर्शाया गया है, जिसे उन्होंने खुद बनाया था। ट्रंप ने चुटकी लेते हुए कहा। 'यह उनके लिए अर्थव्यवस्था से भी बेहतर साबित हुआ।' ट्रंप के लंबे समय से उपहास का निशाना रहे बराक ओबामा को बास्केटबॉल खेलते हुए चित्रित किया गया था।

ब्रिटेन में हिंदू समुदाय को झटका, चर्च और मुस्लिम समूह को दी गई पूजा-अर्चना के लिए मिली जमीन; गैराज में रखीं मूर्तियां

लंदन, एजेंसी। कैम्ब्रिजशायर में रहने वाले ब्रिटिश हिंदुओं की उस कोशिश को झटका लगा है जिसके तहत वे काउंटी में अपनी पहली पूजा-स्थली बनाना चाहते थे। स्थानीय काउंसिल ने नॉर्थस्टो शहर में धार्मिक कार्यों के लिए जमीन का एक टुकड़ा एक हिंदू चैरिटी को देने के बजाय एक चर्च और मुस्लिम समूह को दे दिया।

साउथ कैम्ब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट काउंसिल ने नॉर्थस्टो चर्च नेटवर्क को 999 साल के लिए 0.2 हेक्टेयर जमीन लीज पर दी है, जिसके लिए उन्हें बहुत ही मामूली किराया देना होगा।

हिंदू समाज नॉर्थस्टो ने भी जमीन के लिए बोली लगाई थी और वहां एक मंदिर के साथ-साथ अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए एक सेंटर और वेलबीइंग सेंटर बनाने का प्रस्ताव दिया था लेकिन बोली का आकलन करने वाले काउंसिल अधिकारियों ने हिंदू समाज की बोली को 65वां और एनसीएन की बोली को 81वां अंक दिए, इसलिए जमीन एनसीएन को मिलेगी।

एनसीएन के प्रस्ताव में नॉर्थस्टो के मुसलमानों को एक मुख्य किराएदार (एंकर टेनेंट) के तौर पर शामिल करने की बात है, जिनके लिए अपना इस्लामिक प्रार्थना कक्ष और शिक्षा केंद्र होगा।

कैम्ब्रिजशायर में एक भी मंदिर नहीं: कैम्ब्रिजशायर में कई चर्च और मस्जिदें हैं, लेकिन एक भी मंदिर नहीं है। पूजा-अर्चना के लिए हिंदुओं को बर्मिंघम या वेम्बली तक दो घंटे का सफर करना पड़ता है। वे ऐसी सामुदायिक जगहों को तुरंत किराए पर नहीं ले सकते, जिससे त्योहार मनाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर मूर्तियों को कैरी बैग में भरकर गैरेज में रखा जाता है और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के दौरान उनमें से कई क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। एचएसएन ने क्या कहा? एचएसएन की चेयर अपर्णा निगम-सक्सेना ने कहा, हमें बहुत निराशा है कि फैसला हमारे पक्ष में नहीं आया। हमें इस प्रक्रिया की पारदर्शिता और मजबूती को लेकर कई सवाल हैं।

उन्होंने कहा कि वे अपील करने के बारे में सोच रहे हैं। एचएसएन की बोली को कई वजहों से कम आंका गया, जिसमें फाइनेंशियल ट्रैक रिकॉर्ड की कमी भी शामिल थी, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें पता नहीं था कि यह एक अहम बात है। उन्होंने कहा, अगर वे हमारे आर्किटेक्ट से तैयार कोटेशन देखना चाहते थे तो उन्हें हमें गाइडलाइंस देनी चाहिए थीं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंधी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।